उड़ान

शिक्षा की

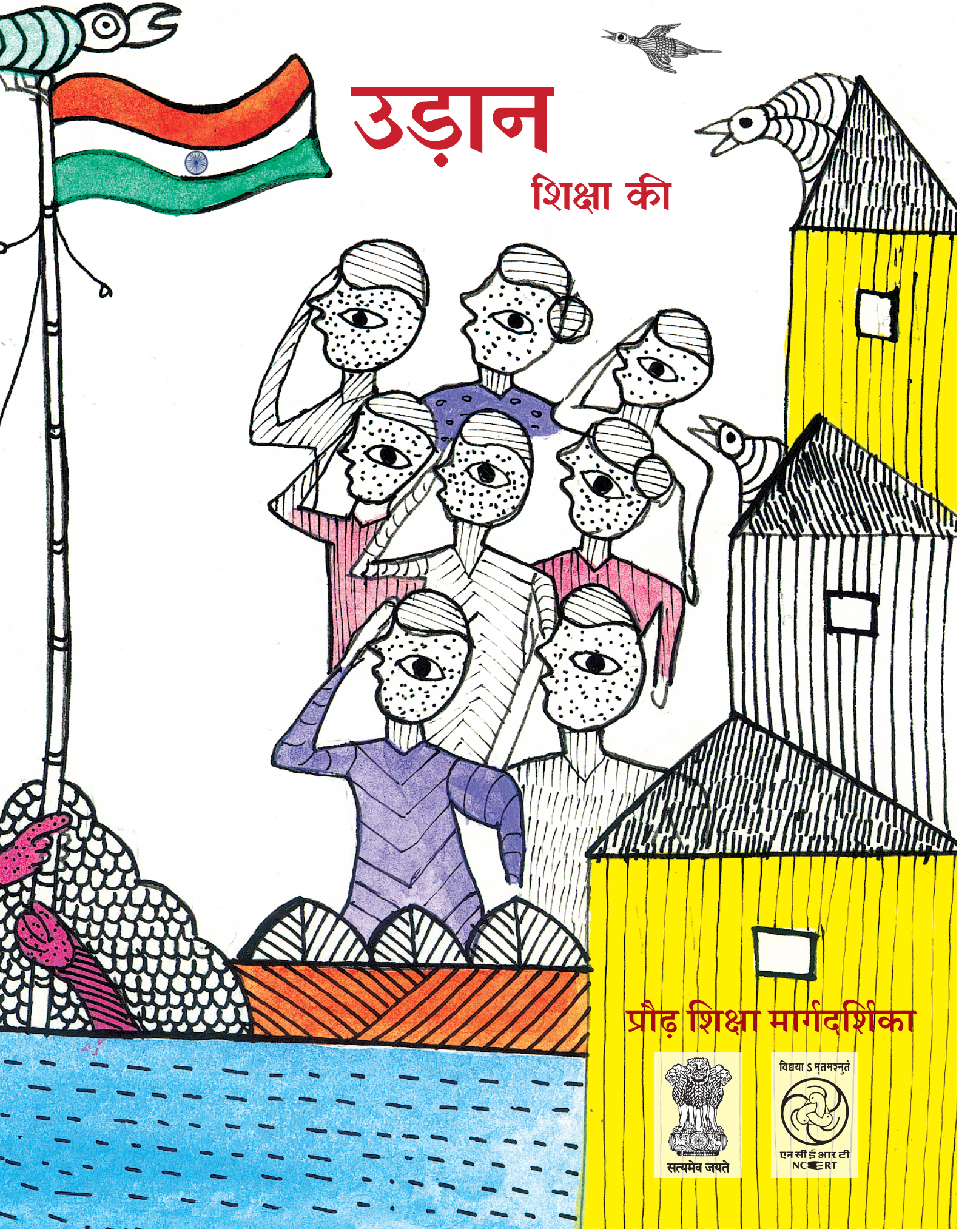

प्रौढ़ शिक्षा मार्गदर्शिका

सत्यमेव जयते

विद्यया S मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

उड़ान
शिक्षा की

प्रौढ़ शिक्षा मार्गदर्शिका

विद्यया ऽ मृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 1 09-12-2020 16:52:22

प्रथम संस्करण

दिसंबर 2020 अग्रहायण 1942

PD

© राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 2020

डिजिटल प्रिंट

सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नयी दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशन प्रभाग में प्रकाशित।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फ़ोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रचारण वर्जित है।
- इस पुस्तक की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशन की पूर्व अनुमति के बिना यह पुस्तक अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टिकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

एन. सी. ई. आर. टी. के प्रकाशन प्रभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग
नयी दिल्ली 110 016 फ़ोन : 011-26562708

108, 100 फ़ीट रोड
हेली एक्सटेंशन, होस्डेकेरे
बनाशंकरी III इस्टेज
बेंगलुरु 560 085 फ़ोन : 080-26725740

नवजीवन ट्रस्ट भवन
डाकघर नवजीवन
अहमदाबाद 380 014 फ़ोन : 079-27541446

सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
निकट: धनकल बस स्टॉप पिनहटी
कोलकाता 700 114 फ़ोन : 033-25530454

सी.डब्ल्यू.सी. कॉम्प्लैक्स
मालीगाँव
गुवाहाटी 781021 फ़ोन : 0361-2676869

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन प्रभाग : *अनूप कुमार राजपूत*

मुख्य संपादक : *श्वेता उप्पल*

मुख्य उत्पादन अधिकारी : *अरुण चितकारा*

मुख्य व्यापार प्रबंधक (प्रभारी) : *विपिन दिवान*

ले-आउट एवं डिज़ाइन

श्वेता राव

बैनियन ट्री

आमुख

प्रौढ़ शिक्षा का उद्देश्य उन व्यक्तियों को पढ़ने-लिखने के अवसर उपलब्ध कराना है जिनकी उम्र 15 साल या उससे अधिक है। इस अभियान में वे सभी बच्चे, युवा, वयस्क, प्रौढ़ शामिल हैं जो किन्हीं कारणों से या तो स्कूल नहीं जा सके या फिर किन्हीं कारणों से उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा। इस आयु-वर्ग के व्यक्ति अपने जीवन के अलग-अलग संदर्भों में अपनी भाषा या भाषाओं का इस्तेमाल भी करते हैं और गणितीय समझ के साथ अपने-अपने कामों में बखूबी लेन-देन भी करते हैं। यह संभव है कि ये सभी अपने-अपने जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में उचित तरीके से व्यवहार और कार्य करते हों, सही तरह से निर्णय लेते हों और समाज में एक उपयोगी सदस्य की भूमिका निभाते हों।

भारतीय राष्ट्रीय साक्षरता अभियान में, 'साक्षरता' को एक व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा गया। जिसमें 'साक्षरता' मात्र अक्षर-ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे 'अर्थ' के साथ जोड़ते हुए इसके आयामों को विस्तार दिया गया है।

'बुनियादी साक्षरता प्राप्त करना, शिक्षा प्राप्त करना और जीविकोपार्जन का अवसर प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। साक्षरता और बुनियादी शिक्षा, किसी के वैयक्तिक, नागरिक, आर्थिक और जीवनपर्यंत शिक्षा के अवसरों की एक नवीन दुनिया खोल देती है। यह नवीन दुनिया व्यक्ति को निजी और व्यावसायिक, दोनों ही स्तरों पर आगे बढ़ाने में मदद करती है।' राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा मंत्रालय के पढ़ना-लिखना अभियान के अंतर्गत वयस्क शिक्षार्थियों के लिए चार प्रवेशिकाओं का निर्माण किया गया है। ये प्रवेशिकाएँ समेकित रूप में बनाई गई हैं, जिसमें भाषा और गणित, दोनों शामिल हैं। विषय सामग्री के रूप में 13 विषय (थीम) तय किए गए हैं जो आमतौर पर हमारे आस-पास दिखाई देते हैं। ये विषय हैं— परिवार ओर पड़ोस, बातचीत, पर्यावरण, स्वास्थ्य और स्वच्छता, कानूनी साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, आपदा प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता आदि। भाषा के अंतर्गत इन्हीं विषयों से जुड़ी सार्थक, समग्र और रोचक सामग्री को लेते हुए, हिंदी भाषा और अंकगणित को पढ़ने-लिखने के अवसर जुटाए गए हैं। वयस्क शिक्षार्थियों के पढ़ने-लिखने और अंकगणित सीखने में मदद के लिए एक निर्देशिका का भी निर्माण किया गया है। यह निर्देशिका शिक्षकों/सुगमकर्ताओं द्वारा उपयोग में लाई जाएगी जो शिक्षार्थियों के सीखने में मदद करेगी। इस निर्देशिका में साक्षरता का व्यापक परिप्रेक्ष्य, भाषा व गणित सीखने के उद्देश्य, संप्राप्ति, सीखने-सिखाने की प्रक्रिया और आकलन पर विस्तृत चर्चा की गई है। प्रवेशिकाओं और निर्देशिका में दिए गए बिंदु सुझाव के तौर पर हैं। शिक्षार्थियों की स्थानीय अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए इनमें आवश्यकतानुसार बदलाव किया जा सकता है।

इस साक्षरता में 'आजीवन शिक्षा' का भाव भी कहीं न कहीं समाहित है। अतः इन प्रवेशिकाओं के माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि वयस्क शिक्षार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार की दृश्य-श्रव्य सामग्री का निर्माण किया जाए।

परिषद्, प्रवेशिकाओं और निर्देशिका के निर्माण में शामिल सभी विषय-विशेषज्ञों और परिषद् के संकाय सदस्यों, परियोजना-स्टाफ़ के अथक परिश्रम के लिए कृतज्ञता व्यक्त करती है। साथ ही उन सभी रचनाकारों, संस्थाओं के प्रति भी कृतज्ञ है जिन्होंने अपनी सामग्री और सहयोगियों की मदद लेने में हमें उदारतापूर्वक सहयोग दिया। हम इन प्रवेशिकाओं को और अधिक बेहतर बनाने के लिए आपके सुझावों का स्वागत हैं।

श्रीधर श्रीवास्तव
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नयी दिल्ली
दिसंबर, 2020

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 4 09-12-2020 16:52:22

पुस्तक निर्माण समिति

अध्यक्ष

श्रीधर श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *संयुक्त निदेशक,* एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

परामर्श

अनूप कुमार राजपूत, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
रंजना अरोड़ा, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* अध्यापक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
संध्या सिंह, *प्रोफ़ेसर* एवं *अध्यक्ष,* भाषा शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

समीक्षा समिति

अंजुम सीबिया, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
अशोक कुमार श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (शोध), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गौरी श्रीवास्तव, *प्रोफ़ेसर,* सामाजिक विज्ञान शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
दिनेश कुमार सिंह, *प्रोफ़ेसर,* विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
श्वेता उप्पल, *मुख्य संपादक,* प्रकाशन प्रभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सरोज यादव, *प्रोफ़ेसर* एवं *डीन* (भूतपूर्व) (अकादमिक), एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

हिंदी भाषा

वर्षा सिंघल, *टीचर फ़ैलो,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
सोनिका कौशिक, *वरिष्ठ परामर्शदाता,* प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

गणित

उज़्मा, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
गुंजन खुराना, *परामर्शदाता,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
धर्मप्रकाश, *प्रोफ़ेसर* (भूतपूर्व), प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
नम्रता निगम, *जे.पी.एफ़,* प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली
राबिया मलिक, *टीचर फ़ैलो* एवं *परामर्शदाता*, प्रारंभिक स्कूली गणित कार्यक्रम, डी.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सदस्य समन्वयक

उषा शर्मा, *प्रोफ़ेसर,* प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नयी दिल्ली

सशक्त बालिका सशक्त नारी
तभी उन्नत होगी मानवता हमारी

आभार

परिषद्, विपिन जैन, *संयुक्त सचिव*, प्रौढ़ शिक्षा, शिक्षा मंत्रालय के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त करती है जिन्होंने इस सामग्री के विकास में अपना सहयोग प्रदान किया।

परिषद्, उन सभी रचनाकारों के प्रति आभार व्यक्त करती है, जिनकी रचनाएँ पुस्तक में शामिल की गई हैं। रचनाओं के प्रकाशन के लिए अनुमति देने के लिए *सचिव*, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, नयी दिल्ली *(*दानी पेड़, *सौ साल का सिनेमा)*; रमेश थानवी, *अध्यक्ष*, राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति, जयपुर, राजस्थान *(घड़ियों की हड़ताल)*; सुशील शुक्ल, *निदेशक*, एकतारा, भोपाल *(दीवाली के दीये)*, सुभाष व्याम और दुर्गा बाई, *लोक चित्रकार*, भोपाल (ददरिया लोकगीत); केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक और केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, उत्तर प्रदेश *(कैसे आएगी नानी)* का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

पुस्तक के विकास में सहयोग के लिए परिषद् मंजुला माथुर, प्रोफ़ेसर, (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी., माधवी कुमार, *रीडर* (सेवानिवृत्त) एन.सी.ई.आर.टी.; मालविका राय, *शिक्षाविद्*; शारदा कुमारी, *प्राचार्य*, डाइट, आर.के.पुरम; संजीव कुमार, *पूर्व प्राचार्य*, डाइट, नयी दिल्ली; शहजाद हुसैन, *पूर्व निदेशक*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली; मोहम्मद अलीम, *लेखक*, नयी दिल्ली; अपर्णा टिक्कू, *प्रोग्राम एसोसिएट*, राज्य संसाधन केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नयी दिल्ली, सही राम, *लेखक*, नयी दिल्ली; रेनु चौहान, (सेवानिवृत्त) *एक्सटेंशन ऑफ़िसर,* नयी दिल्ली; रवीन्द्र पाल, (सेवानिवृत्त) *वरिष्ठ व्याख्याता*, डाइट, नयी दिल्ली; अक्षय कुमार दीक्षित, *शिक्षक*, सर्वोदय विद्यालय, नयी दिल्ली; सत्यवीर सिंह, *प्राचार्य*, एस.एन.आई. कॉलेज, बागपत, उत्तर प्रदेश; अनिल कुमार, *प्राचार्य*, डाइट, दिलशाद गार्डन, दिल्ली; संदीप दिवाकर, *संसाधन व्यक्ति*, अज़ीम प्रेमजी फ़ाउंडेशन; पंकज तिवारी, *शिक्षक*, सरकारी विद्यालय (उर्दू), सियोनी, मध्य प्रदेश के प्रति आभार व्यक्त करती है।

इसके साथ ही पुस्तक में चित्रांकन के लिए परिषद् शशि शेट्ये, नयी दिल्ली; सुनीता, *लोक चित्रकार* (मांडना शैली), सवाईंमाधोपुर, राजस्थान; सुभाष व्याम, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; दुर्गाबाई, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; मानसिंह, *लोक चित्रकार* (गोंड भित्ति शैली), भोपाल, मध्य प्रदेश; प्रशांत सोनी, उदयपुर, राजस्थान; सागर अरणकल्ले, नोएडा, उत्तर प्रदेश; शुभम, चंदेरी, मध्य प्रदेश; हबीब अली, ग्वालियर, मध्य प्रदेश; जितेंद्र चौरसिया, देवास मध्य प्रदेश, हरिओम पाटीदार, धार, मध्य प्रदेश, नीलेश गहलोत, धार, मध्य प्रदेश, तपोशी घोषाल, नयी दिल्ली; रुचिन सोनी, नयी दिल्ली का विशेष आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, नसीम अहमद, *मुख्य परामर्शदाता* (भूतपूर्व), राष्ट्रीय साक्षरता अभियान, शिक्षा मंत्रालय और आपगा, रोटरी इंडिया लिटेरसी मिशन, दिल्ली को उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त करती है।

परिषद्, भारत निर्वाचन आयोग, राष्ट्रीय मतदाता सेवा पोर्टल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण, राज्य संसाधन केंद्र, इंदौर के प्रति भी आभार प्रकट करती है जिनकी वेबसाइट से प्रवेशिका के निर्माण के लिए उपयोगी सामग्री और चित्र प्राप्त हुए।

पुस्तक के विकास के विभिन्न चरणों में सहयोग के लिए संजू शर्मा, मोहम्मद आतिर, हरि दर्शन लोधी, अजय कुमार प्रजापति, गंर्धव, गिरीश गोयल, नितिन तंवर और आमिर अली, *डी.टी.पी. ऑपरेटर* (संविदा) के आभारी हैं। परिषद्, प्रकाशन प्रभाग के संपादन स्कंध के सदस्यों, मीनाक्षी, *सहायक संपादक* (संविदा); कहकशा, *सहायक संपादक* (संविदा); दिनेश वशिष्ट, *सहायक संपादक* (संविदा); अंजु शर्मा, *संपादकीय सहायक* (संविदा) की आभारी है जिन्होंने प्रवेशिकाओं को अंतिम रूप देने में विशेष योगदान दिया है। परिषद्, प्रारंभिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. की सपना, प्रेरणा और पाठ्यचर्या अध्ययन समूह के तेजकिशन और पवन के प्रति आभारी है जिनके सहयोग से इस कार्य को पूरा करने में मदद मिली।

प्रकाशन प्रभाग से मिले पूर्ण सहयोग एवं सुविधाएँ का परिषद् आभार व्यक्त करती है।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 8 09-12-2020 16:52:22

पुस्तिका की संरचना के आधार-बिंदु

वयस्क शिक्षार्थियों की ज़िंदगी के इर्द-गिर्द रची गई 'उड़ान शिक्षा की' किताबें उन्हें पढ़ने- लिखने और गणित का इस्तेमाल करने के अवसर देती हैं। यहाँ पढ़ने-लिखने का मतलब केवल अक्षर ज्ञान नहीं है बल्कि भाषा और गणित को पढ़कर समझना है और समझकर लिखना है। इन शिक्षार्थियों के अपने-अपने अनुभव हैं और अपनी-अपनी प्राथमिकताएं भी! उस सभी प्राथमिकताओं में एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता है – भाषा और गणित को पढ़ना-लिखना सीखना। हालांकि ये शिक्षार्थी अपनी अपनी ज़िंदगी में अपनी भाषा और गणित का बखूबी इस्तेमाल करते ही हैं और बखूबी समझते भी हैं, फिर भी भाषा के लिखित रूप से शायद इनका उतना परिचय न हो कि वे इन्हें पढ़-लिख सकें।

'उड़ान शिक्षा की' किताबों के बारे में महत्वपूर्ण बातें इस तरह से हैं -

- ये किताबें 'थीम' आधारित हैं। इनकी विषय-वस्तु 13 'थीम' के आस-पास बुनी गई है। 15 साल से बड़े शिक्षार्थियों की ज़िंदगी के अलग-अलग पहलुओं और ज़रूरतों को मद्देनज़र रखते हुए अलग-अलग विषय-वस्तु या 'थीम' तय किए गए हैं।
- किताब की विषय-सामग्री को तय करते समय शिक्षार्थियों के समाज-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखा गया है।
- ये किताबें समेकित किताबें हैं। इनमें एक ही विषय-वस्तु या 'थीम' के संदर्भ को केंद्र में रखते हुए हिंदी भाषा और गणित को साथ-साथ रखा गया है।
- इन किताबों में हिंदी और गणित सीखने की प्रक्रिया साथ-साथ चलती है।
- इन किताबों में अक्षरों या वर्णों को हिंदी वर्णमाला के क्रम में प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- एक 'थीम' में उन अक्षरों को शामिल किया गया है जो उस 'थीम' की विषय-सामग्री में स्वा।भाविक रूप से आए हैं। ये अक्षर 'थीम' के इर्द-गिर्द होने वाली बातचीत, वाक्य, शब्दों में बहुत ही सहज रूप से आए हैं।
- हिंदी भाषा के स्वरों के अक्षर और मात्रा-चिह्न एक साथ ही रखे गए हैं।
- किसी अक्षर की ध्वनि और आकृति की पहचान करवाने के लिए 'थीम' के इर्द-गिर्द दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले शब्दों , वस्तुओं के नामों, गिनती, दिनों के नामों आदि का प्रयोग किया गया है जिनमें वे ध्वनियाँ शब्द के प्रारंभ, मध्य या अंत में आ रही हैं।
- किताबों में अक्षरों की आकृति बनाना सीखने के लिए उन्हें बिंदुओं के रूप में भी दिया गया है।
- पाठों के अंत में 'मेरे शब्द' लिखने के लिए स्थान दिया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि शिक्षार्थी अपने मन से ऐसे शब्द देखकर या बिना देखे लिखेंगे जो उन्होंने उस अध्याय से सीखे हैं।
- प्रत्येक थीम में शिक्षार्थियों के पढ़ने के लिए अतिरिक्त सामग्री भी दी गई है।
- चूँकि हमारे शिक्षार्थी का अनुभव और समझ अधिक विकसित है अत: केवल अक्षर-मात्रा पर केंद्रित न रहकर समृद्ध पठन सामग्री केंद्रित न रहकर समृद्ध पठन सामग्री का उपयोग किया गया है।
- पुनरावृत्ति और अभ्यारस द्वारा प्रयास किया गया है कि समय के साथ-साथ शिक्षार्थी के शब्द भंडार में वृद्धि होती रहे।
- 'थीम' में भी एक तरह का विकास प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। ये थीम 'परिवार' से शुरू होकर 'डिजीटल साक्षरता' तक जाते हैं और उससे जुड़ी विषय-सामग्री को समेटने को कोशिश करते हैं।

स्वयंसेवकों से दो बातें

'पढ़ना-लिखना सीखना' प्रौढ़ शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है । इसका उद्देश्य पढ़ने-लिखने के कौशल को उन लोगों तक लेकर जाना है जो किसी कारण से स्कूली शिक्षा से नहीं जुड़ पाये या उसे जारी नहीं रख पाये। इसलिए संभव है कि केंद्र में आने वाले लोग पढ़ने-लिखने की प्रक्रिया में अलग-अलग स्तर पर हों।

आपके केंद्र में आने वाले ये व्यक्ति सयाने और अनुभवी हैं। इनमें से अधिकांश लोग कामकाजी है जो घर में या बाहर किसी न किसी काम धंधे में लगे हुए हैं या फिर कोई न कोई ज़िम्मेदारी उठा रहे हैं। हमारी कोशिश यह है कि पढ़ना- लिखना और गणित की समझ उनके दैनिक जीवन में और सहूलियत लाएगी जिसके ज़रिये वे अपने अनुभव और समझ(क्षमता) को और विस्तृत कर पायेंगे। साथ ही वे इनका इस्तेमाल जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में कर पायेंगे। संभव है कि इससे उनके आत्मविश्वास में और वृद्धि होगी।

स्वयंसेवक होने के नाते आपके लिए यह जानना ज़रूरी है कि -

- आप जिन शिक्षार्थियों को पढ़ाने जा रहे हैं वे 15 वर्ष से ऊपर की आयु के हैं । उनके पास अनुभवों का भंडार है।
- वे अपने रोज़मर्रा के कार्य अपने ढंग से कर लेते हैं।
- वे तभी पढ़ेंगे जब उन्हें पढ़ना उपयोगी लगेगा शिक्षार्थियों को पूरी तैयारी से पढ़ाएँ ताकि वे जो पढ़ रहे हैं उसका लाभ उन्हें मिल सके। इससे आप भी बहुत कुछ नया सीखेंगे व आपका भी आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसलिए आपसे अनुरोध है कि आप पूरी तैयारी, मेहनत और आदर से शिक्षार्थियों को पढ़ाएँ ।
- प्राइमर हिंदी भाषा और गणित का एकीकृत स्वरूप है। शिक्षार्थी हिंदी भाषा सुनने और बोलने में तो सक्षम हैं लेकिन संभव है कि पढ़ने-लिखने के मौके नहीं मिल पाने के कारण वे पढ़ने-लिखने में दिक्कत महसूस करते हों। यह भी संभव है कि कुछ शिक्षार्थियों को थोड़ा बहुत अक्षर ज्ञान हो। इसी प्रकार शिक्षार्थी को गणित का मौखिक ज्ञान तो बहुत कुछ है लेकिन अंकों की पहचान और अच्छी तरह गणित संबंधी समस्याओं को हल करने में उन्हें दिक्कत होती हो।
- समग्र चित्र, कहानी, कविता, कहानी या किसी अन्य रोचक सामग्री के माध्यम से हिन्दी भाषा के कुछ नए अक्षरों, शब्दों, पाठ्य-वस्तु को पढ़ना-लिखना सिखाया गया है। इसी पठन सामग्री के संदर्भ में गणित के अंक, गणना व समस्याएँ हल करना सिखाया गया है।

शिक्षार्थियों को पढ़ाते समय ध्यान रखने योग्य बातें -

- **अपने शिक्षार्थी को जानें :** अपने शिक्षार्थी के बारे में जानें कि क्या उन्हें बिल्कुल भी पढ़ना-लिखना नहीं आता या वे पहले से कुछ पढ़ना-लिखना जानते हैं या फिर उन्हें केवल अक्षरों की पहचान हैं ।
- **अपनी पढ़ने-पढ़ाने की गतिविधियों को मनोरंजक बनाएँ :** पाठ से जुड़ी आस-पास उपलब्ध चीज़ों, जैसे– कोई अखबार, पत्रिका, विज्ञापन, बिजली का बिल, रेलगाड़ी की टिकट आदि का भरपूर प्रयोग करें। शिक्षार्थी को चर्चा करने, अपने विचार व्यक्त करने के पर्याप्त मौके दें।
- **अतिरिक्त पठन सामग्री का इस्तेमाल :** प्राइमर के प्रत्येक पाठ को पढ़कर उससे जुड़ी अन्य प्रकार की अर्थपूर्ण पठन सामग्री इक्टठा करें जो रोचक हो और आस-पास आसानी से उपलब्ध हो।
- **शिक्षार्थी के प्रति संवेदनशील और सकारात्मक दृष्टिकोण रखें** : आप यह न समझें कि आप उम्र

में छोटे हैं तो वे आपकी बातों को गंभीरता से नहीं लेंगे। वे आपको भरपूर आदर और प्यार देंगे क्योंकि आप उन्हें पढ़ना-लिखना सिखा रहे हैं।

- **शिक्षार्थी की सहूलियत का ध्यान रखें :** पढ़ने-पढ़ाने का समय, स्थान, सीमा आदि का निर्धारण शिक्षार्थी के अनुकूल ही रखें। शिक्षार्थियों के लिए बैठने की सुविधा कुछ इस तरह से हो कि वे आराम से बैठ सकें, और जब आप उन्हें अक्षर और शब्द पढ़कर दिखा रहे हों तो वे आसानी से देख भी सकें। दरी, मूढ़े इत्यादि का पहले से ही प्रबंध कर लें जिससे जिन शिक्षार्थियों के घुटने आदि में दर्द हो उन्हें घंटा भर बैठने में कोई असुविधा न हों।
- **पीने के पानी का इंतज़ाम** होना ज़रूरी होगा।
- आपके शिक्षार्थी को अपने जीवन के बहुत से अनुभव हैं। पढ़ना-लिखना सीखने में इन अनुभवों का भरपूर लाभ उठाया जाए तो आपके लिए पढ़ना-लिखना सिखाना आसान हो जाएगा।
- आपके शिक्षार्थी कामकाजी हैं। वे तरह–तरह के कौशल जानते होंगे। उनके कामकाज की शब्दावली का पढ़ना-लिखना सिखाने में सही तरह से उपयोग किया जा सकता है।
- पढ़ने- लिखने के संदर्भ में आपकी समझ अधिक है, कामकाज व जीवन के अनुभवों की बात की जाए तो उनकी समझ गहरी है। आपसे अपेक्षा है कि आप उन्हें आदरपूर्वक संबोधित करेंगे। उनकी आयु व उनके अनुभवों को पूरा सम्मान देंगे।
- यह हो सकता है कि आपने जो आज सिखाया है, वह दो–तीन दिन बाद भूल जाएँ। यह बहुत ही स्वाभाविक सी बात है। इसलिए पिछले को दोहराना और अभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित करना ज़रूरी होगा।
- आप बहुत ही समझदार, अनुभवी और संवेदनशील व्यक्ति हैं, फिर भी यह याद दिलाना ज़रूरी है कि उनके कामकाज, वेशभूषा, उच्चारण या फिर उठने- बैठने के तौर तरीकों पर किसी तरह की नकारात्मक टिप्पणी करने से बचें।
- केंद्र के महौल को रोचक बनाने के लिए समय-समय पर मनोरंजक खेल, तीज-त्योहारों के अनुसार गीत आदि भी गाइए।
- प्रवेशिका(प्राइमर) के पहले पृष्ठ पर खास तौर पर शिक्षार्थी के लिखने के लिए पर्याप्त जगह दी गई है ताकि वे अपना नाम, पता और संपर्क सूत्र (फोन नंबर) लिखें। शिक्षार्थियों की ज़िंदगी में ऐसे मौके बार-बार आते हैं जब उन्हें अपना नाम आदि लिखना होता है। यह कार्य उनकी ज़िंदगी से बहुत नज़दीक से जुड़ा हुआ है। हो सकता है की वे अपना नाम न लिख पा रहे हों तो आपसे अपेक्षा है की ऐसे शिक्षार्थियों को उनका नाम, पता आदि ज़रूरी सूचनायें लिखकर दिखायें और देखकर लिखने में उनकी मदद करें।
- हर शिक्षार्थी के सीखने की गति और तरीका अलग होगा –इस बात का विशेष ध्यान रखें और उन्हीं की गति और तरीके से सीखने में उनकी मदद करें।
- सीखने और बदलाव में समय लगता है इसलिये धैर्य बनाये रखें।

विषय-सूची

आमुख *iii*

पुस्तक निर्माण समिति *iv*

आभार *vii*

पुस्तिक की संरचना के आधार-बिंदु *ix*

स्वयंसेवकों से दो बातें *xi*

हिंदी

1. परिवार और पड़ोस 1
2. बातचीत 5
3. स्थानीय संस्कृति 8
4. पर्यावरण 10
5. स्वास्थ्य और स्वच्छता 12
6. मतदान 14
7. कानूनी साक्षरता 16
8. आपदा प्रबंधन 18
9. समय समय की बात 21
10. यात्रा 24
11. मनोरंजन 26
12. वित्तीय साक्षरता 27
13. डिजीटल साक्षरता 28

गणित

1.	परिवार और पड़ोस	29
2.	बातचीत	30
3.	स्थानीय संस्कृति	31
4.	पर्यावरण	32
5.	स्वास्थ्य और स्वच्छता	33
6.	मतदान	34
7.	कानूनी साक्षरता	35
8.	आपदा प्रबंधन	36
9.	समय समय की बात	37
10.	यात्रा	38
11.	मनोरंजन	39
12.	वित्तीय साक्षरता	40
13.	डिजीटल साक्षरता	41

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 14 09-12-2020 16:52:23

मेरी किताब

मेरा नाम – _____

मेरा पता – _____

_____

मेरा फ़ोन नंबर – _____

1 परिवार और पड़ोस

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

अ आ न प स र व

- **चित्र पर बातचीत**–पहले पाठ 'परिवार और पड़ोस' में सबसे पहले एक चित्र दिया गया है। इस चित्र में एक सामान्य घर, पड़ोस और उसके आस-पास होने वाले काम-काज, घटने वाली चीज़ें दिखाई गई हैं। चित्र के आधार पर शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करें;जैसे –यह चित्र कहाँ का है? यह आपको कैसे पता चला?आपने कैसे अंदाज़ा लगाया?इस चित्र में ऐसी कौन-कौन सी चीज़ें हैं जो आपको अपने आस-पास दिखाई देती हैं?आप चित्र में क्या-क्या देख रहे हैं? इस परिवार में कुल कितने सदस्य हैं? वे क्या-क्या कर रहे हैं? क्या ये बच्चे स्कूल जाते होंगे? आप स्कूल गए हैं कभी? क्या आप राशन खरीदने जाते हैं? आपकी राशन की दुकान पर क्या-क्या मिलता है?क्या आपके घर में लड़कियाँ पतंग उड़ाती हैं? घर की छत खपरैल की बनी हुई है। बारिश के मौसम में इन घरों को क्या दिक्कतें आती होंगी? उन दिक्कतों को कैसे दूर किया जा सकता है? बातचीत के दूसरे बिंदु हो सकते हैं–मोबाइल की दुकान,परिवार, पंचायत घर, पड़ोस व घर आदि।

  बातचीत के द्वारा चित्र की बारीक चीज़ों और कामों की ओर शिक्षार्थी का ध्यान आकर्षित किया जा सकता है और चित्र को उनके जीवन - अनुभवों से जोड़ा जा सकता है। चित्र में पहले क्या हुआ होगा, बाद में क्या होगा, दो व्यक्ति क्या बातें कर रहे होंगे, लड़का क्या सोच रहा होगा आदि प्रश्नों के द्वारा शिक्षार्थियों की कल्पना को प्रेरित किया जा सकता है।

  इस चित्र की एक सबसे खास बात है कि इसमें अकसर आस-पास नज़र आने वाला प्रिंट भी प्रदर्शित किया गया है, जैसे – दुकान के नाम (राशन की दुकान, मोबाइल की दुकान, साइकिल की दुकान), पंचायत घर, मकानों के नंबर आदि। शिक्षार्थियों का ध्यान प्रिंट यानी लिखे हुए को ओर दिलाएँ ताकि वे 'लिखत' को पढ़ने और उसके साथ एक संबंध जोड़ने की कोशिश करें। यदि आपने एक बार 'दुकान' शब्द की ओर संकेत करके शिक्षार्थी को बता दिया है तो उससे पूछें कि 'दुकान' शब्द और कहाँ-कहाँ है। 'दुकान' के बाद 'मकान'

शब्द को पहचानने की चुनौती दी जा सकती है। प्रयास करें की शिक्षार्थियों को इन सब कार्यों में पहेली बूझने जैसा आनंद आए। यदि शिक्षार्थी के परिवेश में इसी प्रकार की कुछ लिखी या छपी सामग्री है तो उसके बारे में भी बातचीत करें। हो सकता है कि शिक्षार्थी को अपने परिवेश में लिखी या छपी सामग्री के बारे में पहले से पता हो कि वह क्या लिखा है। बातचीत करें कि उन्हें कैसे पता चला कि वहाँ क्या लिखा/छपा है।

- **चित्र से अनुमान लगाकर पढ़ना** –इस भाग में कुछ चित्र दिए गए हैं जो परिवार और पड़ोस थीम से जुड़े हुए हैं,

  जैसे –दुकान, परिवार, लोग, दरवाज़ा, घर, रसोईघर आदि। चूँकि शिक्षार्थियों से पिछले चित्र पर बातचीत करने के दौरान ये शब्द अवश्य उभरकर आए होंगे, इसलिए इन चित्रों को देखते ही वे पिछले चित्र पर हुई बातचीत से इनका संबंध तुरंत जोड़ लेंगे। यहाँ हर चित्र के नीचे उसका नाम भी दिया गया है। चित्र अनुमान लगाकर पढ़ने में मदद करते हैं। बारी-बारी से एक-एक चित्र के नीचे उँगली रखें, उसकी पहचान करने के लिए कहें और शब्द और चित्र के आधार पर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। 'पढ़ने' का अर्थ यहाँ लिखे हुए शब्द को पहचान लेना है। शिक्षार्थियों से मात्रा- चिह्न आदि पूछने की अपेक्षा नहीं है। यदि शिक्षार्थी किसी चित्र को देखकर छपे हुए शब्द की बजाय कोई अलग शब्द बता देते हैं तो उन्हें छपे हुए शब्द को पढ़कर बता दें।

  इसके बाद कुछ और चित्र उनके नामों के साथ दिए गए हैं। इन नामों पर अँगुली रखकर पढ़ें और पढ़वाएँ। शिक्षार्थियों से पूछें कि दी गई वस्तुओं में से उनके घर में क्या-क्या है और उन वस्तुओं पर सही का निशान लगवाएँ। इसका उद्देश्य पढ़े गए नामों की ओर उनका ध्यान एक बार फिर दिलवाना और दी गई सामग्री को उनके जीवन से जोड़ना है।

- **पढ़िए और लिखिए** –दिए गए अक्षरों की आकृति व ध्वनि पर शिक्षार्थियों का ध्यान दिलाएँ । इसके लिए दिए गए चित्रों के नामों पर अँगुली रखकर पढ़ाएँ और उनके नामों की पहली ध्वनि की ओर उनका ध्यान दिलाएँ। इन ध्वनियों को अलग रंग से दिया गया है ताकि शिक्षार्थी का ध्यान उनकी ओर आकर्षित हो। अ-आ, न-ना, प-पा, स-सा, र-रा और व-वा साथ-साथ दिए गए हैं ताकि शिक्षार्थियों को इनकी आकृति और ध्वनि में अंतर स्पष्ट रूप से दिखाई दे सके। ये अक्षर किसी शब्द के आरंभ, मध्य या अंत में कहाँ- कहाँ आ रहे

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 2 09-12-2020 16:52:23

है इस ओर ध्यान दिलाएँ।

जैसे – समोसा में सा अंत में है और स आरंभ में।

- **प र, व, स, न, आ,** अ को बारी-बारी दिखाएँ और बुलवाएँ। कुछ ऐसे शब्द सुझाएँ जिनके आरंभ में, अंत में या मध्य में भी ये ध्वनियाँ आती हों और फिर उनसे ऐसे ही और शब्द पूछें; जैसे- पतंग, कप, रुपये रथ, घर, गरम, वन, नाव, देवर, सवेरा, घास, तसला, आम, आराम, कौआ, आदि। ा की मात्रा से बने अन्य शब्दों को दिखाएँ व बोलने का अभ्यास करवाएँ; जैसे पारा, आरा, सपना, पापा, नाना, दादा।उन्हें इन मात्राओं से बने और ऐसे ही शब्द सुझाने के लिए कहें। लिखे हुए विभिन्न शब्दों में इन अक्षरों व मात्राओं को पहचानने के लिए कहें और लिखने का अभ्यास करवाएँ। दिए गए बिंदुओं वाले अक्षरों की सहायता से अक्षरों को बार-बार लिखने का अभ्यास करवाएँ।

  याद रहे हम सभी अक्षर एक दिन में नहीं सिखा सकते। इसके लिए 7 - 10 दिन लग सकते हैं। शिक्षार्थी को अपनी गति से पढ़ने दें। प्रतिदिन एक ही अक्षर या मात्रा को लें परंतु प्रयास कीजिए कि पूरे पाठ की दोहराई रोज़ होती रहे।

- **मेरे शब्द** - शिक्षार्थी को अपनी पसंद के कुछ शब्द दिए गए खाली स्थान पर लिखने के लिए प्रेरित करें। यहाँ किसी प्रकार की कोई पाबंदी नहीं है, शिक्षार्थी जो उनके मन में आए, वे शब्द लिख सकते हैं जैसे - अपना नाम, पता, शहर का नाम आदि।

  शिक्षार्थी को अधिक से अधिक लिखने के लिए प्रेरित करें। उन्हें अपना नाम, पता, व फोन नंबर लिखने के लिए कहें। हो सकता है वे स्वयं कुछ न लिख पाएँ। उन्हें लिखने में सहायता करें। इन सूचनाओं को कुछ दिन लगातार लिखवाने का प्रयास करें ताकि वे ज़रूरत पड़ने पर स्वयं लिख पाएँ। परंतु इस कार्य के लिए उन पर अधिक ज़ोर न डालें।

- **अनवरी का परिवार**–दिए गए चित्र पर शिक्षार्थी के साथ चर्चा करें। उसका ध्यान अनवरी के परिवार के चित्र की ओरदिलाएँ। चर्चा शुरु करने के लिए कुछ प्रश्न पूछ सकते हैं; जैसे -अनवरी का परिवार क्या काम करता है? आपके परिवार के लोग क्या काम करते हैं? क्या सभी सदस्य मिलकर काम करते हैं? आप अपने परिवार के काम में क्या मदद करते हैं?

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 3 09-12-2020 16:52:23

चर्चा के बादशिक्षार्थी को 'अनवरी का परिवार' शीर्षक में दिए गए वाक्य पढ़ने के लिए कहिए। हो सकता है कि वह कुछ-कुछ पढ़ ले या बिलकुल ही न पढ़ पाए। ज़रूरत के अनुसार उसे पढ़ने में सहायता कीजिए। पढ़ने के बाद शिक्षार्थी को दिए गए प्रश्न अँगुली रखकर पढ़कर सुनाएँ। अँगुली रखकर पढ़ना इसलिए आवश्यक है ताकि शिक्षार्थी ध्यान दे सके कि कौन-सा प्रश्न पढ़ा जा रहा है और साथ-साथ पढ़े जा रहे शब्दों की आकृति की ओर भी उनका ध्यान जाए। शिक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न के सामने लिखे शब्द 'हाँ' और 'नहीं' भी पढ़कर सुनाएँ और शिक्षार्थी को सही उत्तर पर निशान लगाने के लिए कहें। इसका उद्देश्य यह है कि शिक्षार्थी को 'हाँ' और 'नहीं' शब्दों की पहचान हो जाए ताकि जब कभी वह इन शब्दों को देखे तो पढ़ सके।

- **देखिए, पढ़िए और लिखिए** –पूरे पाठ में सीखे गए अक्षरों से शुरू होने वाले शब्दों की एक बार फिर से पहचान करवाने के लिए और यह जानने के लिए कि शिक्षार्थी ने कितना सीख लिया है, इस गतिविधि को करवाएँ। इसमें शिक्षार्थी को "अ से शुरू होने वाले शब्द" वाक्यांश पढ़कर सुनाएँ और प्रेरित करें कि वह उनके नीचे दिए गए चार शब्द स्वयं पढ़कर उस शब्द पर सही का निशान लगा दे जो 'अ' से शुरू हो रहा है। अक्षर की ओर शिक्षार्थी का ध्यान आकर्षित करने के लिए उसे वाक्यांश में अलग रंग से दिया गया है। यदि शिक्षार्थी दिए गए चारों शब्द स्वयं नहीं पढ़ पाता है तो उसे पढ़कर बता दें। इसके बाद उसे सही उत्तर देख-देखकर स्वयं लिखने के लिए प्रेरित करें। थोड़े अभ्यास के बाद शिक्षार्थी को दिए गए वाक्यांश (...से शुरू होने वाले शब्द) पढ़कर सुनाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी बल्कि वे स्वयं अनुमान से जान जाएँगे कि वहाँ क्या लिखा है।
- **कविता -**पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षार्थी को कविता **'कैसे आएगी नानी'**पढ़कर सुनाएँ व उसके साथ पुनः मिलकर गुनगुनाएँ । शिक्षार्थियों से उनकी पसंद की कविता, गाना, लोकगीत आदि सुनाने के लिए भी कहा जा सकता है।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 4 09-12-2020 16:52:23

2 बातचीत

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

इ ई ब त म ख ट च

- **चित्र पर बातचीत** – सबसे पहले पाठ 'बातचीत' में एक चित्र दिया गया है। इस चित्र में बातचीत करते हुए लोगों और बातचीत करने के साधनों को दिखाया गया है। चित्र के आधार पर शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करें; जैसे – यह चित्र कहाँ का है? यह आपने किस आधार पर कहा? कौन क्या-क्या कर रहा है? आपके आसपास इस चित्र से मिलते कौन-कौन से स्थान हैं? क्या आप के घर के आस-पास डाकघर है? क्या आप कभी डाकघर जाते हैं? क्या आप अख़बार पढ़ते हैं? आपके यहाँ कौन-सा अख़बार आता है? आदि। शिक्षार्थियों का ध्यान प्रिंट यानी लिखे हुए को ओर दिलाएँ ताकि वे 'लिखत' को पढ़ने और उसके साथ एक संबंध जोड़ने की कोशिश करें।

- **चित्र से अनुमान लगाकर पढ़ना** –५इस भाग में कुछ चित्र दिए गए हैं जो बातचीत थीम से जुड़े हुए हैं, जैसे – चिट्ठी, अखबार आदि। बातचीत के इन विभिन्न साधनों के बारे में शिक्षार्थी बहुत कुछ बोल सकते हैं। उन्हें चित्र देखकर बोलने के लिए प्रेरित करें। बारी-बारी से एक-एक चित्र के नीचे उँगली रखें, उसकी पहचान करने के लिए कहें और शब्द और चित्र के आधार पर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। 'पढ़ने' का अर्थ यहाँ लिखे हुए शब्द को पहचान लेना है। शिक्षार्थियों से मात्रा- चिह्न आदि पूछने की अपेक्षा नहीं है। यदि शिक्षार्थी किसी चित्र को देखकर छपे हुए शब्द की बजाए कोई अलग शब्द बता देते हैं तो उन्हें छपे हुए शब्द को पढ़कर बता दें।

  इसके बाद कुछ और चित्र उनके नामों के साथ दिए गए हैं। इन नामों पर अँगुली रखकर पढ़ें और पढ़वाएँ। शिक्षार्थियों से पूछें कि दी गई वस्तुओं में से उनके घर में क्या-क्या है और उन वस्तुओं पर सही का निशान लगवाएँ। उन वस्तुओं से संबंधित अपने अनुभव सुनाने के लिए प्रेरित करें।

- **पढ़िए और लिखिए** –नए अक्षरों की आकृति व आवाज़ पर ध्यान दिलाएँ। **ब, त, च, ट, ख, म, इ, ई** को बारी-बारी दिखाएँ और बुलवाएँ। साथ ही उनसे शुरु होने वाले, समाप्त होने वाले व इन वर्णों को मध्य में लिए शब्द बोलने के लिए कहें। पहले आप स्वयं कुछ शब्द सुझाएँ, जैसे - बस, बतख, खबर, रबड़, किताब, जवाब, तराजू, तकिया, पतीला, बारात, बरसात, चरखा, चारपाई, चटाई, कचरा, कांच, टायर, कटाई, घटाना, नोट, खबर, खंबा, खत, खेत, लिखना, मकान, मटर, माला, कमरा, बीमार, नमक, डमरू, इमली, इनाम, ईंट, ईख, कलाई, भलाई, धुलाई आदि।

  इ, ई की मात्रा से बने शब्दों को दिखाएँ व बोलने का अभ्यास कराएँ, जैसे – इमली, इमरती, इमारत, ईंट , ईख, ई मेल आदि। इ, ई की मात्रा से बनने वाले अन्य शब्द पूछें औए सुझाएँ, जैसे - दिन, गिन, बिना, मिला, हिल, खिला, मिनार, हिसाब, किताब, गिरा, घिरा आदि। लिखे हुए विभिन्न शब्दों में इन अक्षरों व मात्राओं को पहचानने के लिए कहें और लिखने का अभ्यास कराएँ।

  ये अक्षर किसी शब्द के आरंभ मध्य या अंत में कहाँ- कहाँ आ रहे है - इस ओर ध्यान दिलाएँ। दिए गए बिंदुओं वाले अक्षरों की सहायता से अक्षरों को बार-बार लिखने का अभ्यास करवाएँ।

  याद रहे हम सभी अक्षर एक दिन में नहीं सिखा सकते। इसके लिए 7 - 10 दिन लग सकते हैं। शिक्षार्थी को अपनी गति से पढ़ने दें। प्रतिदिन एक ही अक्षर या मात्रा को लें परंतु प्रयास करें कि पूरे पाठ की दोहराई रोज़ होती रहे।

- **स्कूल को चिट्ठी** -शिक्षार्थी को 'चिट्ठी आई है ' पढ़ने के लिए कहें। हो सकता है कि वह कुछ-कुछ पढ़ ले या बिल्कुल ही न पढ़ पाए। ज़रूरत के अनुसार उसे पढ़ने में सहायता कहें। उसका ध्यान महिला के चित्र की ओर दिलाएँ। इस चित्र पर चर्चा करें। चर्चा शुरू करने के लिए कुछ प्रश्न पूछ सकते हैं जैसे – यह महिला किससे मिलने आई है? क्यों आई है? क्या आपने कभी किसी को चिट्ठी लिखी है? उसमें क्या लिखा था?आदि।

- **पढ़िए और बताइए** - पढ़ने के बाद शिक्षार्थी को दिए गए प्रश्न अँगुली रखकर पढ़कर सुनाएँ। अँगुली रखकर पढ़ना इसलिए आवश्यक है ताकि शिक्षार्थी ध्यान दे सके कि कौन-सा प्रश्न पढ़ा जा रहा है और साथ-साथ पढ़े जा रहे शब्दों की आकृति की ओर भी उनका

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 6 09-12-2020 16:52:23

ध्यान जाए। शिक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्न के सामने लिखे शब्द 'हाँ' और 'नहीं' भी पढ़कर सुनाएँ और शिक्षार्थी को सही उत्तर पर निशान लगाने के लिए कहें। इसका उद्देश्य यह है कि शिक्षार्थी को 'हाँ' और 'नहीं' शब्दों की पहचान हो जाए ताकि जब कभी वह इन शब्दों को देखे तो पढ़ सके।

- **बूझने का खेल** – शिक्षार्थी से पहेलियाँ बूझें और सही उत्तर मिलने पर अँगुली से दिखाएँ कि कहाँ उत्तर लिखा है। उत्तर न मिलने या गलत उत्तर मिलने पर भी सही उत्तर को अँगुली द्वारा दिखाएँ और पढ़कर बताएँ ताकि शिक्षार्थी उस शब्द की पहचान कर सके।
- **देखिए, पढ़िए और लिखिए** – पूरे पाठ में सीखे गए अक्षरों से शुरू होने वाले शब्दों की एक बार फिर से पहचान करवाने के लिए और यह जानने के लिए कि शिक्षार्थी ने कितना सीख लिया है, इस गतिविधि को करवाएँ। इसमें शिक्षार्थी को "इ से शुरू होने वाले शब्द" वाक्यांश पढ़कर सुनाएँ और प्रेरित करें कि वह उनके नीचे दिए गए चार शब्द स्वयं पढ़कर उस शब्द पर सही का निशान लगा दे जो 'इ' से शुरू हो रहा है। यदि शिक्षार्थी दिए गए चारों शब्द स्वयं नहीं पढ़ पाता है तो उसे पढ़कर बता दें। इसके बाद उसे सही उत्तर देख-देखकर स्वयं लिखने के लिए प्रेरित करें।
- **मेरे शब्द** – शिक्षार्थी को अपनी पसंद के कुछ शब्द दिए गए खाली स्थान पर लिखने के लिए प्रेरित करें। यहाँ किसी प्रकार की कोई पाबंदी नहीं है, शिक्षार्थी जो उनके मन में आए, वे शब्द लिख सकते हैं जैसे - अपना नाम, पता, शहर का नाम आदि।

  शिक्षार्थी को अधिक से अधिक लिखने के लिए प्रेरित करें । हो सकता है वे स्वयं कुछ न लिख पाएँ। उन्हें लिखने में सहायता करें परंतु इस कार्य के लिए उन पर अधिक ज़ोर न डालें।
- **अंधेर नगरी चौपट राजा** - पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षार्थी को 'अंधेर नगरी चौपट राजा' नाटक का अंश पढ़कर सुनाएँ । उस पर बातचीत करें।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 7 09-12-2020 16:52:23

3 स्थानीय संस्कृति

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

ओ | औ | झ | द | ल | ग | क | य

- **चित्र पर बातचीत** – सबसे पहले मेले का एक चित्र दिया गया है जिसमें लोग मेले का आनंद ले रहे हैं। चित्र के आधार पर शिक्षार्थियों के साथ बातचीत करें; जैसे – यह चित्र कहाँ का है? यह आपने किस आधार पर कहा? कौन क्या-क्या कर रहा है? क्या आप कभी मेले में गए हैं? शिक्षार्थियों का ध्यान प्रिंट यानी लिखे हुए को ओर दिलाएँ ताकि वे 'लिखत' को पढ़ने और उसके साथ एक संबंध जोड़ने की कोशिश करें।
- **देखिए, पढ़िए और बातचीत कीजिए** –इस भाग में कुछ चित्र दिए गए हैं जो बातचीत थीम से जुड़े हुए हैं, जैसे – मेला, झूला आदि। उन्हें चित्र देखकर बोलने के लिए प्रेरित करें। बारी-बारी से एक-एक चित्र के नीचे उँगली रखें, उसकी पहचान करने के लिए कहें और शब्द और चित्र के आधार पर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। 'पढ़ने' का अर्थ यहाँ लिखे हुए शब्द को पहचान लेना है। शिक्षार्थियों से मात्रा- चिह्न आदि पूछने की अपेक्षा नहीं है। यदि शिक्षार्थी किसी चित्र को देखकर छपे हुए शब्द की बजाय कोई अलग शब्द बता देते हैं तो उन्हें छपे हुए शब्द को पढ़कर बता दें।

  इसके बाद कुछ और चित्र उनके नामों के साथ दिए गए हैं। इन नामों पर अँगुली रखकर पढ़ें और पढ़वाएँ। शिक्षार्थियों से पूछें कि दी गई वस्तुओं में से उनके घर में क्या-क्या है और उन वस्तुओं पर सही का निशान लगवाएँ। उन वस्तुओं से संबंधित अपने अनुभव सुनाने के लिए प्रेरित करें।
- **पढ़िए और लिखिए** –नए अक्षरों के आकार व आवाज पर ध्यान दिलाएँ। **ओ, औ, द, ल, ग, क, झ** को बारी-बारी दिखाएँ और बुलवाएँ। साथ ही उनसे शुरु होने वाले, समाप्त होने वाले व इन वर्णों को मध्य में लिए शब्द बोलने के लिए कहें। पहले आप स्वंय कुछ शब्द सुझाएँ जैसे –लगन, झूला, कमर, कसरत, अकसर आदि।

  ओ, औ की मात्रा से बने शब्दों को दिखाएं व बोलने का अभ्यास कराएँ, जैसे – ओस, औरत, मोल, कौन आदि। लिखे हुए विभिन्न शब्दों में इन अक्षरों व मात्राओं को पहचानने

के लिए कहें और लिखने का अभ्यास कराएँ।

ये अक्षर किसी शब्द के आरम्भ मध्य या अंत में कहाँ- कहाँ आ रहे है इस ओर ध्यान दिलाएँ। दिए गए बिंदुओं वाले अक्षरों की सहायता से अक्षरों को बार-बार लिखने का अभ्यास करवाएँ।

याद रहे हम सभी अक्षर एक दिन में नहीं सिखा सकते। इसके लिए 7 - 10 दिन लग सकते हैं। शिक्षार्थी को अपनी गति से पढ़ने दें। प्रतिदिन एक ही अक्षर या मात्रा को लें परंतु प्रयास करें कि पूरे पाठ की दोहराई रोज़ होती रहे।

- **मिलकर पढ़िए -**शिक्षार्थी को 'दीवाली के दीये' पढ़ने के लिए कहें। हो सकता है कि वह कुछ-कुछ पढ़ ले या बिल्कुल ही न पढ़ पाए। ज़रूरत के अनुसार उसे पढ़ने में सहायता कहें। उसका ध्यान चित्रों की ओर दिलाएँ। चित्रों पर चर्चा करें। चर्चा शुरु करने के लिए कुछ प्रश्न पूछ सकते हैं जैसे – चित्र में लोग क्या कर रहे हैं? आप दिवाली कैसे मनाते हैं? आदि।
- **मेरे शब्द** - शिक्षार्थी को अपनी पसंद के कुछ शब्द दिए गए खाली स्थान पर लिखने के लिए प्रेरित करें। यहाँ किसी प्रकार की कोई पाबंदी नहीं है, शिक्षार्थी जो उनके मन में आए, वे शब्द लिख सकते हैं। शिक्षार्थी को अधिक से अधिक लिखने के लिए प्रेरित करें। हो सकता है वे स्वयं कुछ न लिख पाएँ। उन्हें लिखने में सहायता करें परंतु इस कार्य के लिए उन पर अधिक ज़ोर न डालें।
- **शब्द ढूँढिए और लिखिए** – शिक्षार्थी से अक्षर-जाल में से शब्द खोजने और दिए गए स्थान पर लिखने के लिए कहें।
- **देखिए, पढ़िए और लिखिए** – पूरे पाठ में सीखे गए अक्षरों से शुरू होने वाले शब्दों की एक बार फिर से पहचान करवाने के लिए और यह जानने के लिए कि शिक्षार्थी ने कितना सीख लिया है, इस गतिविधि को करवाएँ। इसमें शिक्षार्थी को "जिसमें ओ वाली आवाज़ है" वाक्यांश पढ़कर सुनाएँ और प्रेरित करें कि वह उनके नीचे दिए गए चार शब्द स्वयं पढ़कर उस शब्द पर सही का निशान लगा दे। यदि शिक्षार्थी दिए गए चारों शब्द स्वयं नहीं पढ़ पाता है तो उसे पढ़कर बता दें। इसके बाद उसे सही उत्तर देख-देखकर स्वयं लिखने के लिए प्रेरित करें।
- **ईदगाह** - पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षार्थी को 'ईदगाह'कहानी का अंश पढ़कर सुनाएँ। उस पर बातचीत करें।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 9 09-12-2020 16:52:23

4 पर्यावरण

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

ए | ऐ | ज | ज़ | भ | श | ष | ड | ड़ | ं | ँ

- **चित्र पर बातचीत** – दिए गए चित्र पर बातचीत करें जैसे – यह चित्र कहाँ का है? यह आपने किस आधार पर कहा? कौन क्या-क्या कर रहा है? क्या आप कभी गाँव में गए हैं? शिक्षार्थियों का ध्यान प्रिंट यानी लिखे हुए को ओर दिलाएँ ताकि वे 'लिखत' को पढ़ने और उसके साथ एक संबंध जोड़ने की कोशिश करें।
- **चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए** –पर्यावरण थीम से जुड़े हुए कुछ चित्र इस भाग में दिए गए हैं जैसे – जंगल, पेड़, कोयला आदि। उन्हें चित्र देखकर बोलने के लिए प्रेरित करें। बारी-बारी से एक-एक चित्र के नीचे उँगली रखें, उसकी पहचान करने के लिए कहें और शब्द और चित्र के आधार पर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। पहले सीखे हुए अक्षरों को पहचानने के लिए भी कहा जा सकता है। यदि शिक्षार्थी किसी चित्र को देखकर छपे हुए शब्द की बजाय कोई अलग शब्द बता देते हैं तो उन्हें छपे हुए शब्द को पढ़कर बता दें।
- **पढ़िए और लिखिए** –नए अक्षरों के आकार व आवाज पर ध्यान दिलाएँ। **ए, ऐ,ज, ज़,भ,ड, ड़, श, ष** को बारी-बारी दिखाएँ और बुलवाएँ। दिए गए वाक्यों को भी अँगुली रखकर पढ़वायें। साथ ही उनसे शुरु होने वाले, समाप्त होने वाले व इन वर्णों को मध्य में लिए शब्द बोलने के लिए कहें। पहले आप स्वंय कुछ शब्द सुझाएँ जैसे –जलन, ज़रूर, भरा, सड़क, शेर आदि।

  ए और ऐ की मात्रा से बने शब्दों को दिखाएं व बोलने का अभ्यास कराएँ, जैसे – कैसा, सेब सवेरा, भैंस आदि। लिखे हुए विभिन्न शब्दों में इन अक्षरों व मात्राओं को पहचानने के लिए कहें और लिखने का अभ्यास कराएँ।

  ये अक्षर किसी शब्द के आरम्भ, मध्य या अंत में कहाँ- कहाँ आ रहे है इस ओर ध्यान

दिलाएँ। दिए गए बिंदुओं वाले अक्षरों की सहायता से अक्षरों को बार-बार लिखने का अभ्यास करवाएँ।

याद रहे हम सभी अक्षर एक दिन में नहीं सिखा सकते। इसके लिए 7 - 10 दिन लग सकते हैं। शिक्षार्थी को अपनी गति से पढ़ने दें। प्रतिदिन एक ही अक्षर या मात्रा को लें परंतु प्रयास करें कि पूरे पाठ की दोहराई रोजाना होती रहे।

- **चित्र देखिए और शब्द लिखिए** – दिए गए चित्रों के नाम लिखवाएँ। यदि लिखने में असुविधा हो तो शिक्षार्थियों की सहायता करें।
- **शब्द पढ़िए**–शिक्षार्थीको दिया गया प्रश्न और शब्द पढ़ने के लिए कहें। हो सकता है कि वह कुछ-कुछ पढ़ ले या बिल्कुल ही न पढ़ पाए। जरूरत के अनुसार उसे पढ़ने में सहायता कहें। उसका ध्यान चित्रों की ओर दिलाएँ। चित्रों पर चर्चा करें। उन शब्दों के सामने सही का निशान लगवाएँ जो शिक्षार्थी के घर या पड़ोस में मौजूद हैं।
- **पढ़िए और बातचीत कीजिए** –शिक्षार्थी को "सुखोमाजरी गाँव की कहानी" पढ़कर सुनाएँ। कहानी पढ़ते समय आप या शिक्षार्थी पढ़े जा रहे शब्दों पर अँगुली रखें। पढ़ी गई कहानी पर बातचीत करें – सुखोमाजरी खुशहाल कैसे बना? खुशहाली के बाद क्या-क्या बदलाव आए होंगे? खुशहाली क्या होती है?
- **आपके गाँव में पानी** –दिए गए प्रश्नों के उत्तर पूरे वाक्यों के रूप में लिखवाने का प्रयास करें। उत्तर लिखवाने के लिए दिए गए शब्दों की सहायता लें।
- **मिलकर पढ़िए** - पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षार्थी को 'दानी पेड़' कहानी पढ़कर सुनाएँ। उस पर बातचीत करें।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 11 09-12-2020 16:52:23

5 स्वास्थ्य और स्वच्छता

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

उ ऊ ह छ थ फ फ़ ठ

- **चित्र पर बातचीत** – दिए गए पोस्टर पर बातचीत करें जैसे – यह पोस्टर किस बारे में हैं? मोटे अक्षरों में क्या लिखा हो सकता है? क्यों क्या आपनेकभी ऐसा कोई पोस्टर देखा है? कहाँ? शिक्षार्थियों का ध्यान प्रिंट यानी लिखे हुए को ओर दिलाएँ ताकि वे 'लिखत' को पढ़ने और उसके साथ एक संबंध जोड़ने की कोशिश करें।

- **चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए** –थीम से जुड़े हुए कुछ चित्र इस भाग में दिए गए हैं जैसे – मच्छर, फल, कूड़ा, दूध आदि। उन्हें चित्र देखकर बोलने के लिए प्रेरित करें। बारी-बारी से एक-एक चित्र के नीचे उँगली रखें, उसकी पहचान करने के लिए कहें और शब्द और चित्र के आधार पर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। पहले सीखे हुए अक्षरों को पहचानने के लिए भी कहा जा सकता है। यदि शिक्षार्थी किसी चित्र को देखकर छपे हुए शब्द की बजाय कोई अलग शब्द बता देते हैं तो उन्हें छपे हुए शब्द को पढ़कर बता दें।

  पोस्टर से जुड़े हुए प्रश्नों को पढ़कर सही उत्तरों पर सही का चिह्न लगवाएँ। प्रत्येक शब्द को पढ़ने में शिक्षार्थी की सहायता करें।

- **पढ़िए और अक्षर लिखिए** –नए अक्षरों के आकार व आवाज पर ध्यान दिलाएँ। **उ, ऊ, ह, छ, थ, फ, फ़, ठ**को बारी-बारी दिखाएँ और बुलवाएँ। दिए गए वाक्यों और शब्दों को भी अँगुली रखकर पढ़वायें। साथ ही उनसे शुरु होने वाले, समाप्त होने वाले व इन वर्णों को मध्य में लिए शब्द बोलने के लिए कहें।

  उ और ऊ की मात्रा से बने शब्दों को दिखाएँ व बोलने का अभ्यास कराएँ, जैसे – पुल, सूना, सुन, पूस, दूर, दुनिया आदि। लिखे हुए विभिन्न शब्दों में इन अक्षरों व मात्राओं को पहचानने के लिए कहें और लिखने का अभ्यास कराएँ।

ये अक्षर किसी शब्द के आरम्भ ,मध्य या अंत में कहाँ- कहाँ आ रहे है इस ओर ध्यान दिलाएँ।

दिए गए बिंदुओं वाले अक्षरों की सहायता से अक्षरों को बार-बार लिखने का अभ्यास करवाएँ।

याद रहे हम सभी अक्षर एक दिन में नहीं सिखा सकते। इसके लिए 7 - 10 दिन लग सकते हैं। शिक्षार्थी को अपनी गति से पढ़ने दें। प्रतिदिन एक ही अक्षर या मात्रा को लें परंतु प्रयास करें कि पूरे पाठ की दोहराई रोज़ होती रहे।

- **चित्र देखिए और शब्द लिखिए** – दिए गए चित्रों के नाम लिखवाएँ। यदि लिखने में असुविधा हो तो शिक्षार्थियों की सहायता करें।

  अक्षरों की पहचान करवाने के लिए दिए गए अभ्यास जैसे और अभ्यास करवाएँ। संयुक्त अक्षरों को लिखवाने पर विशेष ध्यान दें।

- **पढ़िए और बातचीत कीजिए** –शिक्षार्थी को पोस्टर के बारे में दी गई बातचीत को पढ़कर सुनाएँ। पढ़ते समय आप या शिक्षार्थी पढ़े जा रहे शब्दों पर अँगुली रखें। पढ़ने के बाद किसी शब्द या अक्षर पर अँगुली रखकर पूछें – यह क्या लिखा है? कोष्ठक () में दी गई जानकारी का क्या मतलब हो सकता है?

- **मेरे शब्द** –दिए गए स्थान पर शिक्षार्थी से उसकी पसंद के कोई भी शब्द लिखने के लिए कहें। प्रयास करें कि शिक्षार्थी अपने लिखे हुए शब्द को पढ़कर बता भी दे। यहाँ शिक्षार्थी जितने शब्द चाहे लिख सकता है।

- **कचरे का जीवनकाल** –दिए गए चित्र को समझने में शिक्षार्थी की सहायता करें। दिए गए प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से पूछें।

- **मिलकर पढ़िए** - पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षार्थी को 'गांधी जी के आश्रम में' कहानी पढ़कर सुनाएँ। उस पर बातचीत करें। नए शब्दों के अर्थों पर बातचीत करें।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 13 09-12-2020 16:52:23

6 मतदान

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

घ ध ढ ढ़ क्ष

- **चित्र पर बातचीत** – दिए गए चित्र 'मतदान' पर बातचीत करें जैसे – यह चित्र किस बारे में हैं? क्या चित्र में कहीं कुछ लिखा है? क्या लिखा हो सकता है? क्या आपनेकभी मतदान किया है? कहाँ? कब? कक्ष का क्या मतलब हो सकता है? कक्ष जैसा कोई और शब्द? (कक्षा) मतदान को और क्या कहते हैं? (वोट देना)

- **चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए** –थीम से जुड़े हुए कुछ चित्र इस भाग में दिए गए हैं जैसे – मतदान, चुनाव अधिकारी, मतदान सूची आदि। उन्हें चित्र देखकर बोलने के लिए प्रेरित करें। बारी-बारी से एक-एक चित्र के नीचे उँगली रखें, उसकी पहचान करने के लिए कहें और शब्द और चित्र के आधार पर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। पहले सीखे हुए अक्षरों को पहचानने के लिए भी कहा जा सकता है। यदि शिक्षार्थी किसी चित्र को देखकर छपे हुए शब्द की बजाए कोई अलग शब्द बता देते हैं तो उन्हें छपे हुए शब्द को पढ़कर बता दें।

- **पढ़िए और अक्षर लिखिए** –नए अक्षरों के आकार व आवाज पर ध्यान दिलाएँ। **क्ष, घ, ध, ढ, ढ़**को बारी-बारी दिखाएँ और बुलवाएँ। दिए गए वाक्यों और शब्दों को भी अँगुली रखकर पढ़वायें। साथ ही उनसे शुरू होने वाले, समाप्त होने वाले व इन वर्णों को मध्य में लिए शब्द बोलने के लिए कहें।

  दिए गए बिंदुओं वाले अक्षरों की सहायता से अक्षरों को बार-बार लिखने का अभ्यास करवाएँ।

  याद रहे हम सभी अक्षर एक दिन में नहीं सिखा सकते। इसके लिए 7 - 10 दिन लग सकते हैं। शिक्षार्थी को अपनी गति से पढ़ने दें। प्रतिदिन एक ही अक्षर या मात्रा को लें परंतु प्रयास करें कि पूरे पाठ की दोहराई रोज़ होती रहे।

- **चित्र देखिए और शब्द लिखिए** – दिए गए चित्रों के नाम लिखवाएँ। यदि लिखने में असुविधा हो तो शिक्षार्थियों की सहायता करें।

  अक्षरों की पहचान करवाने के लिए दिए गए अभ्यास जैसे और अभ्यास करवाएँ। संयुक्त अक्षरों और मात्राओं के सही उपयोग पर विशेष ध्यान दें।

- **पढ़िए और बातचीत कीजिए – आप एक वोटर हैं -** शिक्षार्थी को चित्रों के साथ दिए गए वाक्यों को पढ़कर सुनाने में सहायता करें। पढ़ते समय आप या शिक्षार्थी पढ़े जा रहे शब्दों पर अँगुली रखें। पढ़ने के बाद किसी शब्द या अक्षर पर अँगुली रखकर पूछें – यह क्या लिखा है? दिए गए प्रश्नों के उत्तर मौखिक या लिखित रूप से प्राप्त करें। मतदान से जुड़े शिक्षार्थी के अनुभव सुनें। मतदान क्यों करना चाहिए, इस विषय पर उनके विचार सुनें। वोटर कार्ड से जुड़े प्रश्न करवाएँ। इसके लिए शिक्षार्थी के अपने वोटर कार्ड का भी प्रयोग किया जा सकता है।

  वोट देने की तैयारी, वोट देने का तरीका, आदि पृष्ठों पर दी गई जानकारी पढ़वाएँ। दिए गए पोस्टर और डाक टिकट पर दी गई सूचनाएँ पढ़वाएँ।

- **मेरे शब्द** –दिए गए स्थान पर शिक्षार्थी से उसकी पसंद के कोई भी शब्द लिखने के लिए कहें। प्रयास करें कि शिक्षार्थी अपने लिखे हुए शब्द को पढ़कर बता भी दे। यहाँ शिक्षार्थी जितने शब्द चाहे लिख सकता है।

- **मिलकर पढ़िए -** पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिए शिक्षार्थी को 'मतदान' से जुड़ी सामग्री पढ़कर सुनाएँ। उसपर बातचीत करें। नए शब्दों के अर्थों पर बातचीत करें। गांधी जी के बारे में शिक्षार्थी क्या जानता है, इसके बारे में जानने का प्रयास करें।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 15 09-12-2020 16:52:23

7 कानूनी साक्षरता

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

त्र | श्र | ण | ऋ | ज्ञ

- **देखिए और पढ़िए** – थीम से जुड़े हुए कुछ चित्र इस भाग में दिए गए हैं, जैसे –अदालत, क़ानून आदि। उन्हें चित्र देखकर बोलने के लिए प्रेरित करें। बारी-बारी से एक-एक चित्र के नीचे उँगली रखें, उसकी पहचान करने के लिए कहें और शब्द और चित्र के आधार पर शब्द पढ़ने में शिक्षार्थियों की मदद करें। पहले सीखे हुए अक्षरों को पहचानने के लिए भी कहा जा सकता है। यदि शिक्षार्थी किसी चित्र को देखकर छपे हुए शब्द की बजाय कोई अलग शब्द बता देते हैं तो उन्हें छपे हुए शब्द को पढ़कर बता दें।

- **पढ़िए और अक्षर लिखिए** – नए अक्षरों की आकृति व आवाज़ पर ध्यान दिलाएँ। ज्ञ, श्र, ऋ,त्र, ण को बारी-बारी दिखाएँ और बुलवाएँ। दिए गए वाक्यों और शब्दों को भी अँगुली रखकर पढ़वाएँ। साथ ही उनसे शुरू होने वाले, समाप्त होने वाले व इन वर्णों को मध्य में लिए शब्द बोलने के लिए कहें।

  दिए गए बिंदुओं वाले अक्षरों की सहायता से अक्षरों को बार-बार लिखने का अभ्यास करवाएँ।

  शिक्षार्थी को अपनी गति से पढ़ने दें। प्रतिदिन एक ही अक्षर या मात्रा को लें परंतु प्रयास करें कि पूरे पाठ की दोहराई रोज़ होती रहे।

- **पढ़िए और बातचीत कीजिए** – सबके लिए समान क़ानून, गांधी जी, प्रथम सूचना रिपोर्ट - शिक्षार्थी को दी गई सामग्री को पढ़कर सुनाने में सहायता करें। पढ़ते समय आप या शिक्षार्थी पढ़े जा रहे शब्दों पर अँगुली रखें। पढ़ने के बाद किसी शब्द या अक्षर पर अँगुली रखकर पूछें – यह क्या लिखा है? दिए गए प्रश्नों के उत्तर मौखिक या लिखित रूप से प्राप्त करें।

- **मेरे शब्द** –दिए गए स्थान पर शिक्षार्थी से उसकी पसंद के कोई भी शब्द लिखने के लिए

कहें। प्रयास करें कि शिक्षार्थी अपने लिखे हुए शब्द को पढ़कर बता भी दे। यहाँ शिक्षार्थी जितने शब्द चाहे लिख सकता है।

- **अपनी कहानी बनाएँ** -शिक्षार्थी को दी गई कहानी पढ़कर सुनाने में सहायता करें। इसके बाद चित्रों की सहायता से आगे की कहानी बनवाएं और लिखवाएँ। लिखने में जहाँ शिक्षार्थी को सहायता की आवश्यकता हो, वहाँ सहायता करें।
- **मिलकर पढ़िए** - पढ़ने में रुचि बढ़ाने के लिए चित्रकथा पढ़कर सुनाएँ।
- **वर्णमाला** – वर्णमाला के अक्षरों की पहचान हो गई है या नहीं, इसे जानने के लिए दी गई वर्णमाला के अक्षरों को पहचाने के लिए कहें। इसे क्रम से भी पूछें और बिना क्रम से भी।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 17 09-12-2020 16:52:23

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

8 आपदा प्रबंधन

चित्र पर बातचीत

आपने पहले पढ़े पाठों में भी चित्र पर बातचीत की होगी। उसी आधार पर इन चित्रों पर भी बातचीत कीजिए। कुछ अन्य संकेत यहाँ दिए गए हैं। उदाहरण के लिए शिक्षार्थियों से पूछिए कि -

- चित्र में दिखाए गए आपदाओं को वे किस नाम से पुकारते हैं?
- उनके द्वारा बताए गए नामों को आप बोर्ड पर लिख सकते हैं जिसे शिक्षार्थी पढ़कर अपनी – अपनी पुस्तक में संबंधित चित्रों पर / के साथ लिख सकते हैं।
- इन आपदाओं से जुड़े उनके अनुभवों के बारे में शिक्षार्थियों से पूछिए। यइि आपका भी ऐसा कोई अनुभव रहा है तो सबके साथ साझा कीजिए।
- आपके साथ बैठे शिक्षार्थी अनुभवी हैं। उनसे पूछिए कि उनकी समझ में उनके द्वारा भोगी गई आपदाओं के पीछे कारण क्या रहे होंगे?
- उनके द्वारा बताए कारणों को भी बोर्ड पर लिए साथ ही उनके द्वारा सुझाए गए समाधान भी लिख सकते हैं।
- इसके अलावा उन आपदाओं पर भी बात कर सकते हैं जो पिछले कुछ वर्षों में अपनी भयावहता की वजह से चर्चा में रही है।

चित्र से अनुमान लगाकर पढ़िए

आपदा से संबंधित चित्रों के नीचे उनके नाम दिए गए हैं, जैसे - बाढ़, आग इत्यादि।

- अब तक शिक्षार्थी कुछ वर्णों को पहचानने लगे होंगे। चित्र और परिचित वर्णों के आधार

पर शिक्षार्थी दिए गए शब्दों को पढ़ें।

- कई बार पढ़ने के पश्चात् शिक्षार्थी से छपे हुए उन शब्दों के नीचे या किसी कागज़ पर उन्हीं शब्दों को लिखवाएँ।
- इन शब्दों को वे अपने बगल में बैठे हुए साथी को पढ़कर सुनाएँ। अपना लिखा हुआ भी दिखाएँ।
- वैसे तो सभी चित्र आपस में संबंधित है परंतु कुछ चित्रों का आपस में बहुत स्पष्ट संबंध हैं, जैसे - आग, दमकल और अस्पताल। शिक्षार्थियों से ऐसे ही अन्य समूह बनाने के लिए कहें। कुछ शब्द सभी समूह में आ सकते हैं जैसे अस्पताल या राहत शिविर।

मिलकर पढ़िए

- 'जब धरती काँपी' पढ़ने से पहले शिक्षार्थियों से उस पाठ में दिए गए चित्रों पर बातचीत करें। इन चित्रों के आधार पर पाठ में क्या वर्णन किया गया है, शिक्षार्थी इसका अनुमान लगाएँ।
- पाठ में दिए गए चित्रों के आधार पर अनुमान लगाने के बाद शिक्षार्थी अपनी – अपनी पुस्तक में पाठ के सभी चित्रों के नीचे उसके बारे में लिखें।

  लिखते समय वे एक – दूसरे की सहायता ले सकते हैं और एक – दूसरे को पढ़ा सकते हैं।
- शिक्षार्थी पाठ के कुछ शब्द पहचानने और पढ़ने लगे होंगे। उन्हे जोड़े बनाकर साथ मिलकर पढ़ने के लिए कहें।
- दिए गए प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से पूछें।
- शिक्षार्थी जिन शब्दों को पहचानने लगे हैं उन्हें एक बड़े कागज़ पर लिखकर सेंटर में लिखकर लगाइए। शिक्षार्थियों को प्रतिदिन इसे पढ़ने के मौके मिलेंगे।
- संभव हो कि आपके इलाके में कभी भूकंप न आया हो। जो आपदा आपके यहाँ आई हो या आने की संभावना हो, उस पर बातचीत करके 'भूकंप आने पर क्या – क्या करें'जैसा ही एक निर्देश मिलकर बनवाइए।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 19 09-12-2020 16:52:23

आपदा संपर्क सूचना – संकट के समय हम कहाँ सपर्क कर सकते हैं, इसके बारे में बातचीत करके दी गई तालिका में पते और फोन नंबर लिखवाएँ।

मेरे शब्द – दी गई जगह में शिक्षार्थी से विषय से जुड़े या उनकी अपनी पसंद के सीखे गए शब्द लिखने के लिए अवसर दें। वे यहाँ अपनी घर की भाषा-बोली में भी शब्द लिख सकते हैं।

संकट का समय – यहाँ दिए गए प्रश्नों को मौखिक रूप से करने के बाद लिखित रूप में करवाएँ। आपदा से जुड़े शिक्षार्थी के अनुभव लिखने में उनकी सहायता करें।

भोपाल गैस त्रासदी – दी गई सामग्री पढ़कर सुनाएँ। उस पर चिंतनपरक बातचीत कीजिए

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 20 09-12-2020 16:52:23

9 समय समय की बात

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

चित्र पर बातचीत

चित्र में जो कुछ भी हो रहा है उसके आधार पर शिक्षार्थियों से पूछें –

- यहाँ दिन का कौन-सा समय दर्शाया गया है? कैसे पता चला?
- आप वक्त कैसे गुज़रते हैं?
- सागर फूलवाले की दुकान खाली क्यों हैं ?
- किसी शहर/गाँव में घंटाघर क्यों बनता होगा? क्या वाकई इसकी ज़रूरत हैं?
- बोर्ड पर लिखें 'उ। प्रा।' का क्या अर्थ हो सकता हैं? आप क्या अपने इलाके के सफ़ाई कर्मचारी को जानते हैं? सुबह के काम के बाद वह अपना समय कैसे बिताते हैं?
- क्या और भी ऐसे काम या रोज़गार हैं जो सुबह के वक्त के हैं?
- आपको समय या वक्त से जुड़े कौन – कौन से गाने आते हैं? आदि
- उनसे चित्र बनाने के लिए कहें जिसमें वे अपनी उन सभी गतिविधियों को दर्शा सकते हैं।
- समय से जुड़े गानों से संभव हो तो अंत्याक्षरी जैसा एक खेल खेलिए।

समय-समय की बात

कहानी पढ़वाने के बाद उनसे पूछें -

- श्रीरमेश थानवी की लिखी कहानी ' समय – समय की बात' उन्हें कैसी लगी? (उनसे कहानी का सबक न पूछें।) जैसे क्या मज़ा आया पढ़कर ? कहानी के कौन – कौन से बयान/

वाक्य अच्छे/ मज़ेदार लगे? जैसे चारों तरफ़ सड़ाध फैली थी। मक्खियों की मौज थी।)

- क्या कोई ऐसा वाक्य / वाक़या था जिसकी कल्पना करने में मज़ा आ रहा था ?
- ऐसी कौन-सी हड़ताल है जिससे उन्हें मज़ा आ जाएगा?
- ऐसे ही किसी मज़ेदार हड़ताल के बारे में शिक्षार्थियों के साथ मिलकर कहानी भी बनाई जा सकती है।

पढ़िए

शिक्षार्थी से दी गई कहावतें पढ़वाएँ। वे 'समय' से जुड़ी हुई कई कहावतें जानते होगे जैसे ' समय बदल गया' समय-समय की बात है इत्यादि। शिक्षार्थी मिलकर इसे एक बड़े कागज़ पर लिखकर दीवार पर लगा सकते हैं। इन कहावतों से शिक्षार्थी इस बात पर ध्यान दे सकेंगे कि 'समय' शब्द का कितनी अलग-अलग तरह से उपयोग होता है।

वक्त

'वक्त' पढ़ने के बाद मिलकर बातचीत कीजिए –

- क्या पढ़कर ऐसा लगा कि हमारी ही बात कही जा रही है? हाँ, तो क्यों? यदि नहीं तो क्यों?
- लेखक का 'वक्त' के बारे में सोचने का ढंग कैसा लगा? क्यों?
- क्या आप मानते हैं कि ज्यादातर घड़ियाँ दूसरों के वक्त पर नज़र रखने के काम आती हैं?
  - कौन आपके वक्त पर नज़र रखता हैं?
  - आप किसके वक्त पर नज़र रखता हैं?
- क्या सबके वक़्त की समान कद्र होती हैं? क्यों? क्या आप इससे सहमत हैं?

बातचीत के द्वारा ही दिए गए अभ्यास कार्यों को करवाएँ।

मेरे शब्द

यहाँ शिक्षार्थियों को सीखे गए नए शब्द लिखने के लिए प्रेरित करें। वे चाहें तो अपनी पसंद के

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 22 09-12-2020 16:52:23

वाक्य भी लिख सकते हैं।

पढ़िए

दिए गए वाक्यों और शब्दों को पढ़वाएँ और पूछें कि ये कहाँ-कहाँ लिखे हो सकते हैं। कहाँ लिखे देखे हैं?

मिलकर पढ़िए

दी गई सामग्री को पढ़कर सुनाएँ और शिक्षार्थी के साथ मिलकर पढ़ें।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 23 09-12-2020 16:52:23

10 यात्रा

चित्र पर बातचीत

इस बार शिक्षार्थियों को बातचीत की ज़िम्मेदारी सौंपें। उन्हें चित्र पर मिलकर बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें।

शब्दों को पढ़ना

दिए गए शब्दों को पढ़वाएँ। इस शब्द जाल से अनेक गतिविधियाँ और खेल खेले जा सकते हैं, जैसे- कोई शब्द या उसके अर्थ वाला शब्द खोजना, किसी मात्रा वाले शब्द खोजना, किसी अक्षर वाले शब्द खोजना, किसी शब्द के अंतिम अक्षर से शुरू होने वाला शब्द खोजना आदि। इसी प्रकार के अन्य खेल भी खेलें।

पढ़िए और बातचीत कीजिए

तुषार की शादी से जुड़ा अनुच्छेदपढ़वाएँ और रिक्त स्थानों में उपयुक्त शब्द भरवाएँ . कैलेंडर से जुड़े क्रियाकलाप वास्तविक कैलेंडर पर भी करवाएँ।

मेरे शब्द

यहाँ शिक्षार्थी को अपने मन से कोई भी शब्द लिखने के लिए कहें जो उसने अब तक सीखे हैं। शिक्षार्थी चाहें तो वाक्य भी लिख सकते हैं।

'यात्रा' संस्मरण

इस संस्मरण में बहन की यात्रा, भाई की यात्रा और दोनों के संबंधों की यात्रा का उजागर होती है। आप शिक्षार्थियों को उनके जीवन और यात्रा के अनुभवों के बारे में लिखने के लिए

प्रोत्साहित कर सकते हैं।

कुछ अन्य यात्रा संस्मरण शिक्षार्थियों को पढ़कर सुनाइए, जैसे - हरिशंकर परसाई द्वारा लिखी 'बस की यात्रा'। दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँ।

ओमना की डायरी

ओमना की डायरी पढ़ें या पढ़वाएँ। उसके बारे में बातचीत करें।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 25 09-12-2020 16:52:23

11 मनोरंजन

चित्र पर बातचीत

इस बार शिक्षार्थियों को बातचीत की ज़िम्मेदारी सौंपें। उन्हें चित्र पर मिलकर बातचीत करने के लिए प्रोत्साहित करें। चित्र में कौन क्या कर रहा है, आप मनोरंजन के लिए क्या-क्या करते हैं। आदि

कहानी – मुफ़्त ही मुफ़्त

कहानी पढ़ने में सहायता करें। कहानी से संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँ।

मिलकर पढ़िए

ददरिया लोक गीत मिलकर पढ़ें और मिलकर गाएँ। शिक्षार्थी से भी लोकगीत और लोक कथाएँ सुनें।

मेरे शब्द

यहाँ शिक्षार्थी को अपने मन से कोई भी शब्द लिखने के लिए कहें जो उसने अब तक सीखे हैं। शिक्षार्थी चाहें तो वाक्य भी लिख सकते हैं।

मिलकर पढ़िए और बातचीत कीजिए

जादुई लालटेन –इस लेख में सिनेमा के बारे में बातचीत की गई है। आप शिक्षार्थियों को उनके जीवन और उनके सिनेमा से जुड़े अनुभवों के बारे में लिखने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। देखी गई फिल्मों के बारे में बातचीत करें। कौन-सी फिल्म देखी, कहाँ देखी? टिकट कितने का था? आदि

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

12 वित्तीय साक्षरता

कहानी – शबेनूर की उलझन

कहानी पढ़ने से पहले चित्रों पर बातचीत करें। कहानी किस बारे में होगी, इसका अनुमान लगाने को कहें। कहानी पढ़ने में शिक्षार्थी की सहायता करें। बैंक से जुड़े शिक्षार्थी के अनुभव सुनें।

देखिए, पढ़िए और बातचीत कीजिए

बैंक से जुड़े चित्र दिए गए हैं। उनके नाम पढ़वाएँ और उनके उपयोग के बारे में बातचीत करें।

पढ़िए और लिखिए

कहानी से संबंधित प्रश्नों पर बातचीत करें और बातचीत के बाद वे उत्तर लिखवाएँ।

भीम ऐप

अपने या शिक्षार्थी के मोबाइल फोन में भीम एप को डाउनलोड करके उसका उपयोग बताएँ। उपयोग सीखने के बाद इसके बारे में दी गई सामग्री को पढ़वाएँ। चित्रकथा पढ़वाकर उसके बारे में भी बातचीत करें।

मेरे शब्द

यहाँ शिक्षार्थी को अपने मन से कोई भी शब्द लिखने के लिए कहें जो उसने अब तक सीखे हैं। शिक्षार्थी चाहें तो वाक्य भी लिख सकते हैं।

मिलकर पढ़िए

दान का हिसाब –दी गई कहानी पढ़ें और पढ़वाएँ। दान का हिसाब लगाने के लिए कहें। इसी प्रकार का कोई अन्य रोचक हिसाब लगवाएँ।

पढ़ाने के मुख्य बिंदु

13 डिजीटल साक्षरता

कहानी – डिजिटल दुनिया

कहानी पढ़ने से पहले चित्रों पर बातचीत करें। कहानी किस बारे में होगी, इसका अनुमान लगाने को कहें। कहानी पढ़ने में शिक्षार्थी की सहायता करें। इससे जुड़े शिक्षार्थी के अनुभव सुनें।

देखिए, पढ़िए और बातचीत कीजिए

यहाँ डिजिटल दुनिया से जुड़े चित्र दिए गए हैं। उनके नाम पढ़वाएँ और उनके उपयोग के बारे में बातचीत करें। अपने या शिक्षार्थी के मोबाइल फोन में ये एप डाउनलोड करके उनका उपयोग दिखाएँ।

पढ़िए और लिखिए

कहानी से संबंधित प्रश्नों पर बातचीत करें और बातचीत के बाद वे उत्तर लिखवाएँ।

मोबाइल के लोकल विशेषज्ञ

दी गई सामग्री को पढ़ने में शिक्षार्थी की सहायता करें और उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँ

मेरे शब्द

यहाँ शिक्षार्थी को अपने मन से कोई भी शब्द लिखने के लिए कहें जो उसने अब तक सीखे हैं। शिक्षार्थी चाहें तो वाक्य भी लिख सकते हैं।

मिलकर पढ़िए

मोबाइल की दुनिया –दी गई कहानी पढ़ें और पढ़वाएँ। मोबाइल के फायदों और नुकसान के बारे में बात करें।

पाठ 1

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- 1 से 9 तक की संख्याओं का उपयोग करते हुए वस्तुओं को गिनते हैं।
- 1 से 9 तक के संख्यांकों को पहचानते हैं।
- वस्तुओं के समूह की संख्या को उनके संख्यांकों से मिलान करते हैं।
- 1 से 9 तक की संख्याओं को अंकों तथा शब्दों में लिखते हैं।
- 1 से 9 तक की संख्याओं की तुलना करते हैं व संख्यांकों को क्रम में लिखते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- कंकंड, तीली, पेन्सिल, रबड़, बटन, मोती इत्यादि आस-पास आसानी से उपलब्ध वस्तुएं जिन्हें गिनने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।
- संख्या कार्ड जिस पर एक ओर अंक लिखें हों।
- 1,2,3..... 9 तक वस्तुओं के चित्रों वाले कार्ड।
- मोबाइल फोन का चित्र।
- आधार कार्ड का चित्र/ फोटो कापी

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- शिक्षार्थियों से अलग-अलग संख्या में वस्तुएं देकर (गिनकर/बिना गिने) बताने को कहें कि दी गई वस्तुएँ कितनी हैं?
- संख्या नाम बोलते हुए संख्यांक दिखाया जाये ताकि शिक्षार्थी संख्या एवं उसके लिए लिखे जाने वाले अंक में संबंध समझ सकें। अभ्यास हेतु संख्या लिखे कार्ड एक बाक्स में रखे तथा बोली गई संख्या के कार्ड को बाक्स में से निकालने को कहें। वस्तुओं के चित्र बने कार्ड दूसरे बाक्स में रखे तथा कार्ड उठाकर उसका अंक वाला कार्ड पहले बाक्स से उठाने को कहें। इसी प्रकार अंक का कार्ड दिखाकर उतनी ही वस्तुओं के चित्र का कार्ड लाने को कहें या अंक कार्ड दिखाकर उतनी ही वस्तुएं लाने को कहें।
- मोबाइल फोन दिखाकर की-पैड के अंकों की पहचान कराएं।
- संख्यांकों को लिखने का अभ्यास कराएं। संख्या बोल कर संख्यांक लिखने के लिए कहें।
- किसी समूह में दी गई वस्तुओं में एक और वस्तु मिलाकर वस्तुओं की संख्या, तथा एक वस्तु निकाल देने से बची वस्तुओं की संख्या आदि पूछें।

सिखाने के पश्चात

- पाठ में आकलन हेतु दिये गये प्रश्नों पर चर्चा करें।
- शिक्षार्थियों के दैनिक जीवन से जुड़े संदर्भो (1-9 तक की संख्याओं से) के बारे में पूछे।
- आकलन हेतु अन्य प्रश्न पूछें जो बच्चों के संदर्भों एवं अनुभवों पर आधारित हों जैसे-
  - दस के नोट पर दो अंकों की कौन–कौन सी संख्याए लिखी है? पहचानों और लिखो।
  - दस के नोट पर दो अंकों से ज्यादा अंकों की कौन–कौन सी संख्याएं लिखी हैं? पहचानो और उसमें लिखे अंकों को लिखो।
  - दस के नोट पर **दस** कितनी भाषाओं में लिखा है?
  - कुछ संख्याएं जैसे **आधार कार्ड संख्या, मोबाइल नम्बर, बैक खाता संख्या** इत्यादि लिखकर या दिखाते हुए शिक्षार्थियों से पूछे कि इसमें कितने अंक हैं, कौन सा अंक सबसे ज्यादा बार आया है? इत्यादि।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 29 09-12-2020 16:52:23

पाठ 2

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- नोटो पर लिखे संख्यांकों (1,2,5,10 तथा 20) को पहचानते हैं।
- 1 से 20 तक की संख्याओं को पहचानते व बोलते हैं।
- वस्तुओं के समूह में उन वस्तुओं की संख्या बता पाते हैं।
- वस्तुओं के दो समूहों को मिलाकर बने समूह में वस्तुओं की कुल संख्या (20 या 20 से कम) बताते हैं।
- वस्तुओं के एक समूह में से कुछ वस्तुएँ निकालने पर शेष वस्तुओं की संख्या बताते हैं।
- जोड़ '+', घटा '-' तथा बराबर '=' के चिह्न पहचानते हैं व उपयोग करते हैं।
- 6 + 4 = 10, 5 – 1 = 4 जैसे गणितीय कथनों को समझतें हैं।
- 10 तक के जोड़ तथ्यों को खोज पाते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- कंकड़, तीली, पेन्सिल, रबड़, बटन, बीज, मोती इत्यादि आसपास आसानी से उपलब्ध वस्तुएं जिन्हें गिनने के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।
- ₹ 1, ₹ 2, ₹ 5, ₹ 10, ₹ 20 तक के खेल वाले नोट व सिक्के।
- कैलकुलेटर (असली या उसका चित्र)

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- शिक्षार्थियों को दस का नोट दिखाते हुए पूछें कि '10' कहाँ-कहाँ और कितनी बार लिखा हैं।
- खेल वाले नोटों का उपयोग करते हुए '10' के नोट तथा '1' के सिक्कों की संख्या बदलकर मूल्य पूछें तथा मूल्य लिखने के लिए प्रेरित करें।
- 11 से 20 तक की कोई संख्या लिखकर या बोलकर उतने ही मूल्य के नोट व सिक्के दिखाने के लिए कहें।
- शिक्षार्थियों से पूछें कि कौन-कौन सी दो संख्याएँ मिलकर दस बनाती हैं?
- शिक्षार्थियों को बीज, कंकड़, मोती या अन्य वस्तुओं के दो ढ़ेरों को मिलाकर बने नये ढ़ेर में वस्तुओं की संख्या बताने के लिए प्रेरित करें तथा उसे जोड़ तथ्य के रूप में लिखने को कहें।
- एक ढ़ेर में से कुछ वस्तुएँ या सभी वस्तुएँ निकाल लेने पर ढ़ेर में बची वस्तुओं की संख्या पूछें एवं घटा तथ्य के रूप में लिखने को कहें।

सिखाने के पश्चात

- शिक्षार्थियों से 1 से 20 तक की संख्याओं के उपयोग पर आधारित दैनिक जीवन के कामों पर चर्चा करें।
- पाठ में आकलन हेतु दिये गये प्रश्नों पर चर्चा करें।
- आकलन हेतु कुछ अन्य प्रश्न निम्नलिखित हो सकते हैं-
  - दुकानदार को 11 रूपये किस-किस तरह दिये जा सकते हैं ? (आपके पास अलग-अलग संख्या में नोट व सिक्के हैं)
  - मोबाइल नंबर में कितने अंक होते है?
  - आधार कार्ड नंबर कितने अंकों का होता है?
  - दस या दस से ज्यादा अंकों वाली संख्याएँ और कहाँ-कहाँ लिखी होती हैं ?

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 30 09-12-2020 16:52:23

पाठ 3

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- 1 से 50 तक की संख्याओं कों बोलते, पहचानते एवं लिखते हैं।
- दी गई संख्या में दस के समूह तथा इकाइयों की संख्या बताते हैं।
- दस के समूह तथा इकाइयों को मिलाकर संख्या बनाते हैं।
- 10 के नोट व एक रुपये के सिक्कों का उपयोग करके लेन-देन करते हैं और उसे लिखते हैं।
- 50 तक की संख्याओं का उपयोग करते हुए जोड़ एवं घटा की समस्याओं को हल करते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- ₹ 1, ₹ 2, ₹ 5, ₹ 10 तक के खेल वाले नोट एवं सिक्के तथा ₹ 20 एवं ₹ 50 के खेल वाले नोट।
- मोती, तीली, बीज इत्यादि आस पास उपलब्ध होने वाली ऐसी वस्तुएं जिनका दस का समूह बनाया जा सके।
- रबड़ बैंड/ धागा

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- 10 तक के खेल वाले नोट या सिक्कों का प्रयोग करके दिये गये नोटो या सिक्कों का मूल्य लिखने के लिए कहें, जैसे 10 के 4 नोट तथा 6 एक-एक के सिक्के हो तो मूल्य 46 रुपये होगा। 46 लिखे जाने में दोनों अंकों के स्थान के अनुसार मान पर चर्चा करें जैसे 46 में कितनी दहाई व इकाई हैं?
- दो अंकों की संख्या (50 तक) के लिए गणितीय शब्दावली दहाई तथा इकाई का उपयोग करके संख्या लिखवाएं तथा दहाई एवं इकाई के संबंध पर चर्चा करें।
- सिक्कों को दस के नोट से बदलने की जरूरत पर चर्चा करें ।

सिखाने के पश्चात

- किसी सब्जी का प्रति किलोग्राम भाव पूछकर (50 से कम) उसे नोट करने को कहें। आस-पास दैनिक जीवन प्रयोग में आने वाली 10 से 50 तक की संख्याओं को लिखें व उसमें कितनी दहाई व इकाई होगीं। यह बताएं।
- 3 दहाई तथा 7 इकाई से कौन-सी संख्या बनेगी? इसी प्रकार और कई प्रश्नों से शिक्षार्थी को संख्या बनाने का अभ्यास करवाएं।
- यह चर्चा करें कि किसी संख्या को देखकर और पढ़कर उसमें दहाई तथा इकाई का पता कैसे लगाएं। इकाई तथा दहाई से मिलकर संख्या कैसे बनी?

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 31 09-12-2020 16:52:23

पाठ 4

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- 1 से 100 तक की संख्या बोलते, पहचानते एवं लिखते हैं तथा दैनिक जीवन के कार्यों में इनका उपयोग करते हैं।
- 1 से 100 तक की संख्याओं में दहाई एवं इकाई की संख्या बताते हैं।
- 1 से 100 तक की संख्याओं का उपयोग दैनिक जीवन के लेन-देन में करते हैं।
- एक ही संख्या को बार-बार जोड़कर गुणन तथ्यों के रूप में लिखते हैं।
- दिए गए आकड़ो को समझ कर उनसे निष्कर्ष निकालते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- 1 तथा 10 के खेल वाले नोट एवं सिक्के और 100 के खेल वाले नोट।
- मोती, तीलियां या बीज जैसी आस-पास आसानी से उपलब्ध होने वाली वस्तुएं जिनके दस-दस के समूह बनाये जा सकते हैं।

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- रू 100 के खेल वाले नोट में से100 की पहचान कर लिखने को कहें। 100 लिखे जाने के पश्चात 1 के स्थान और मतलब पर चर्चा करें।
- 100 में 1 के स्थान के लिए सौ/ सैकड़ा का उपयोग करने के लिए प्रेरित करें।
- सैकड़ा एवं दहाई तथा सैकड़ा एवं इकाई के संबंध पर चर्चा करें।
- दहाई एवं इकाई बताने पर संख्या लिखवाएँ।
- 100 तक की संख्याओं को दैनिक जीवन के कामों/ लेन-देन में उपयोग पर चर्चा करें।
- समूह बनाने की जरूरत पर चर्चा करें तथा समूहों में वस्तुओं की संख्या को बार-बार जोड़ के रूप में लिखवाएँ।
- बार-बार जोड़ को गुणन तथ्य के रूप में लिखवाएँ तथा 2,3 तथा 4 की गुणन सारणी (पहाड़ा) विकसित कर लिखवाएँ।
- दिए आकड़ो पर चर्चा की जाए ताकि आंकडों की समझ बन सके।

आकलन के बिंदु

- किसी सब्जी का प्रति किलोग्राम भाव पूछकर (50 से कम) उसे नोट करने को कहें।
- 3 दहाई तथा 7 इकाई से कौन-सी संख्या बनेगी?

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 32 09-12-2020 16:52:23

पाठ 5

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- 1 से 1000 तक की संख्या बोलते, पहचानते एवं लिखते हैं तथा दैनिक जीवन के कार्यों में इनका उपयोग करते हैं।
- दस-दस, सौ-सौ के बंडल बनाकर संख्या बताते हैं।
- 1 से 1000 तक की संख्याओं में सैकड़ों, दहाई एवं इकाई की संख्या बताते हैं।
- 1000 को एक हजार या दस सैकड़ा या सौ दहाई या एक हजार इकाई के बराबर समझते हैं।
- 1 से 1000 तक की संख्याओं का उपयोग दैनिक जीवन के लेन-देन में करते हैं।
- जोड़, घटा, गुणन तथ्यों का समझते हैं एवं दैनिक जीवन के कामों में इनका उपयोग करते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- 1 तथा 10 के खेल वाले नोट एवं सिक्के और 100 के खेल वाले नोट।
- मोती, तीलियां या बीज जैसी आस-पास आसानी से उपलब्ध होने वाली वस्तुएं जिनके दस-दस के समूह बनाये जा सकतेहैं।
- कचरे के रूप में दिखाने हेतु बेकार वस्तुओं के कुछ नमूने ।

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- तीन अंकों की सख्या में इकाई, दहाई एवं सैकड़ें के स्थान पर चर्चा करें। यदि किसी के पास 100 के पाँच नोट हैं तो कुल मूल्य नोट करने को कहें तथा लिखने के पश्चात तीनों स्थानों पर लिखें अंकों के सथान के अनुसार मान पर चर्चा करें।
- बार-बार जोड़ के रूप में गुणन तथ्यों को विकसित कर नोट करवाएँ जैसे 100+100+100+100+100+100=600 =100X6
- जोड़, घटा तथा गुणा पर आधारित दैनिक जीवन के लेन-देन के कामों पर चर्चा कराएँ तथा खर्च की गई राशि, शेष राशि इत्यादि को लिखकर बताने के लिए कहें।

आकलन के बिंदु

- 575 में 5 के दोनों स्थानों के मान में क्या अंतर है?
- एक कटोरी का मूल्य 40 रूपये हैं। 6 कटोरी खरीदने के मूल्य को बार-बार जोड़ तथा गुणन तथ्य के रूप में लिखकर बताएँ।
- 500 रूपये में से 391 रूपये खर्च करने पर शेष धनराशि पता लगाने का तरीका लिखिए।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 33 09-12-2020 16:52:24

पाठ 6

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- 1 से 1000 तक का संख्या को दैनिक जीवन के कार्यों में उपयोग करते हैं।
- अमानक तथा मानक इकाई से लंबाई का मापन करते हैं।
- 1 मीटर लंबाई का अनुमान लगाते हैं तथा मीटर को समझते हैं।
- 1000 मीटर बराबर 1 किलोमीटर का उपयोग बडी लंबाई को समझने में करते हैं।
- अमानक तथा मानक इकाइयों से लंबाई का मापन करते हैं।
- अमानक तथा मानक इकाइयों से परिमाप एवं क्षेत्रफल का मापन करते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- 100 खानों का चौकोर ग्रिड (10 × 10)

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- ₹ 2000/- तक के खेल वाले नोट एवं सिक्के शिक्षार्थियों को दें। शिक्षार्थियों को अलग-अलग मूल्यों की धनराशि देकर उसका मूल्य कॉपी पर नोट करने को कहें। अपने-अपने समूह में सबसे ज्यादा / सबसे कम धनराशि किसके पास है और क्यों पर चर्चा करें। लिखकर बताएँ कि आपके पास दूसरे साथी से कितनी धनराशि अधिक है या कम है? शिक्षार्थियों द्वारा बताय गये तरीकों पर चर्चा करें।
- गाँव में दो घरों के बीच की दूरी, दो खम्बों के बीच की दूरी का अनुमान लगाकर लिखने को कहें। फिर वास्तविक मापन द्वारा सत्यापन करके वास्तविक माप नोट करें। दोनों मापों में अंतर के कारणों पर चर्चा करें। अनुमान लगाने के लाभ क्या हैं? पर भी चर्चा करें।
- लंबाई मापन की इकाई का प्रयोग करके अपनी लंबाई या किसी अन्य वस्तु की लंबाई का अनुमान लगाते हुए लिखने को कहें। वास्तविक माप लिखते हुए लिखते हुए मीटर की छोटी इकाई सेंटीमीटर पर चर्चा करें। मीटर तथा सेंटीमीटर के संबंध पर चर्चा करें।
- दो गाँवों के बीच की दूरी या बड़ी दूरी का अुनमान लगाकर लिखने को कहें। वास्तविक मापन के तरीकों या वास्तविक दूरी पता करने के स्त्रोत पर चर्चा करें ।

आकलन के बिंदु

- 1 मीटर की समझ
- बड़ी तथा छोटी दूरी के मापन की इकाई की समझ
- 1 मीटर एवं सेंटीमीटर तथा किलोमीटर तथा मीटर में संबंध की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 34 09-12-2020 16:52:24

पाठ 7

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली भिन्न की समझ का उपयोग करते हैं।
- वजन को किलोग्राम में मापते हैं।
- एक किलोग्राम, आधा किलोग्राम तथा चौथाई किलोग्राम का मान ग्राम में बताते हैं।
- वजन मापने के बाटों को पहचानते हैं।
- मात्रा एवं मूल्य के हिसाब से लेन-देन करते हैं।
- भाग की सामान्य समझ का उपयोग करते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- 1 से 100 तक के नोटों के खेल वाले नोट (संख्या.....)

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- खेल वाले नोटों का कुछ समूह देकर कुल मूल्य लिखने को कहें। कुल मूल्य पता लगाने के तरीके को कॉपी पर लिखवाएँ एवं अन्य तरीकों पर चर्चा करें। गुणन तथ्यों का उपयोग कर भी हिसाब लगाने को कहें। आपस में बातचीत करके यह भी बता लगाएँ कि किसके ढ़ेर में ज्यादा मूल्य वाले नोट हैं किसके में कम। ज्यादा पता के तरीके को कापी में लिखें।
- अपना तथा अपने मित्रों से उनका वजन पूछकर कॉपी में नोट करवाएँ। लिखकर दिखाने को कहें कि वे अधिक वजन वाली वस्तु या कम वज़न वाली वस्तु के लिए किस इकाई का प्रयोग करते हैं। ग्राम तथा किलोग्राम के संबंध को लिखवाएँ।
- कम वजन एवं अधिक वजन वाली वस्तुओं को पहचानने के तरीके कापी में लिखना।
- वस्तु की मात्रा तथा मूल्य के आधार पर चुकायी जाने वाली कीमत का लिखकर पता लगाने को कहें। अलग-अलग तरह के हिसाब लिखकर दिखाने को कहें।
- दैनिक जीवन में भिन्न संबंधित सरल शब्दावली को जानना एवं पहचान कर लिखवाएँ।

आकलन के बिंदु

- दिये गये नोटों के हिसाब से कुल मूल्य लिखकर दिखाने की समझ।
- ग्राम तथा किलोग्राम के संबंध की समझ।
- हिसाब का पर्चा समझने तथा लिखने की समझ।
- भिन्न संबंधित प्रचलित शब्दों एवं गणित शब्दावली की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 35 09-12-2020 16:52:24

पाठ 8

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- गुणन तथ्यों का दैनिक जीवन के कामों में उपयोग करते हैं ।
- तरल पदार्थों को लीटर में मापते हैं।
- एक लीटर, आधा लीटर, चौथाई लीटर को मिली लीटर में बताते हैं।
- गुणा और भाग से जुड़ी दैनिक जीवन की समस्याएँ हल करते है।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- विभिन्न धारिता वाली बोतलें
- कंकड़ बीज़, मोती, तीली इत्यादि आस-पास आसानी से उपलब्ध होने वाली वस्तुएँ जिनका गुणन तथ्यों हेतु उपयोग किया जा सके।

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- बाल्टी, जग, मटका, बोतल या किसी अन्य बर्तन को पूरा भरने पर आ सकने वाली तरल पदार्थ की मात्रा का अनुमान लगाकर कॉपी पर नोट करने को कहें। फिर वास्तविक मापन द्वारा सत्यापन करें। धारिता की इकाई नोट करने को कहें।
- बार-बार जोड़ तथा गुणन तथ्य द्वारा बड़ी धारिता से छोटी धारिता के कितने बर्तन भरे जा सकते हैं । कॉपी पर नोट कर बताने को कहें।
- बड़ी धारिता तथा छोटी धारिता की इकाई लिखने को कहें। यह भी लिखवाएँ कि बहुत ज्यादा पानी किस बर्तन में आ सकता है तथा बहुत छोटी धारिता वाले मापक कौन-कौन से हैं ? यह भी लिखवाएँ कि उन्होंने लीटर (L) या मिलीलीटर (ml) लिखा देखा है ?
- 1 लीटर में मिलीलीटरों की संख्या लिखवाएँ। आधा/ चौथाई लीटर में मिलीमीटर की संख्या लिखवाएँ।
- दैनिक जीवन में गुणा और भाग से जुड़ी समस्याएँ हल करवाएँ।

आकलन के बिंदु

- बार-बार जोड़ तथा गुणन तथ्यों को लिखकर हिसाब-किताब करने की समझ।
- तरल पदार्थों के मापने की इकाई लिखकर बताने की समझ।
- बड़ी धारिता एवं छोटी धारिता के मापकों की समझ ।
- 1 लीटर =1000 मिलीलीटर, आधालीटर =500 मिलीलीटर, चौथाई लीटर =250 मिलीलीटर की समझ।
- दैनिक जीवन में गुणा और भाग से जुड़ी समस्याएँ और उनके समाधान की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 36 09-12-2020 16:52:24

पाठ 9

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- 5 तथा 6 के गुणन तथ्यों का दैनिक जीवन के कामों में उपयोग करते हैं।
- घड़ी में घंटे, मिनट तथा सैकेंड की सुई को पहचानते हैं।
- घड़ी द्वारा दर्शायें गये समय को बताते एवं लिखते हैं।
- घंटे एवं मिनट तथा मिनट एवं सैकेंड के संबंध को बताते है।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- घड़ी असली या उसका चित्र
- कंकड़, बीज़, मोती, तीली इत्यादि आस-पास आसानी से उपलब्ध होनी वाली वस्तुएँ जिनका 5 तथा 6 के गुणन तथ्यों हेतु उपयोग किया जा सके।

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- बार-बार जोड़ का उपयोग करके 5 तथा 6 के गुणन तथ्यों को लिखवाएँ। 5 एवं 6 के गुणन तथ्यों पर आधारित हिसाब-किताब को लिखकर दिखाने को कहें।
- घड़ी का पूरा डायल कितने छोटे खानों में बटा हैं, लिखकर दिखाने को कहें। लिखकर दिखाये कि घड़ी में कितना बजा है ? इस गतिविधिमें बार-बार जोड़ या 5 के गुणन तथ्यों की सहायता से मिनटों की संख्या लिखकर दिखाने को कहें।
- घंटे और मिनट तथा मिनट और सैकेंड के संबंध को लिखकर दिखाने को कहें।
- किस काम में लगने वाले समय का पता लगाने के तरीकों पर चर्चा करें। एवं लिखने के लिए कहें। दो कामों में लगने वाले समय की तुलना लिखकर कराएँ।

आकलन के बिंदु

- 5 तथा 6 के गुणन तथ्यों की लिखकर उपयोग करने की समझ
- घड़ी में दर्शाये गये समय को लिखने की समझ।
- डिजीटल घडियों में दर्शाए गए समय को पढ़ने एवं लिखने की समझ।
- किसी कार्य में लगने वाले समय को पता लगाने एवं लिखने की समझ।
- दो कामों में लगने वाले समय में तुलना करने की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 37 09-12-2020 16:52:24

पाठ 10

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- कैलेंडर में बिताए गए दिन एवं तिथि पहचानते हैं।
- एक सप्ताह में दिनों की संख्या बताते हैं।
- 12 घंटे एवं 24 घंटे के हिसाब से समय बताते हैं।
- 24 घंटे वाली घड़ी के समय को 12 घंटे वाली घड़ी के समय के हिसाब से बदल कर लिखते हैं।
- यात्रा टिकट पर दी गई जानकारी जैसे कोच संख्या, सीट नं., किराया, कुल दूरी इत्यादि को बताते हैं।
- किराये का लेन-देन करते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- घड़ी असली या उसका चित्र या खिलौने वाली घड़ी
- कोई पुराना रेलवे टिकट
- 1 से 100 तक के नोटो वाली खेल मुद्रा

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- दिये गए कैलेंडर पर दी गई तिथि को पहचानकर निशान लगवाएँ।
- घंटों एवं दिन, दिन एवं सप्ताह, स्ताह एवं महीने, महीने एवं एक वर्ष के संबंधों पर चर्चा करें। तथा कॉपी में नोट करने को कहें।
- किसी काम में लगने वाले दिनों की संख्या का पता करवाएँ तथा लिखकर दिखाने को कहें।
- रेलवे समय सारिणी दिखाकर, किसी स्टेशन पर रेल कब पहुँचेगी, यह पता लगाने को कहें तथा नोट करके यह भी पता करें कि रेलगाड़ी उस स्टेशन पर कितनी देर लगवाएँ।
- रेलगाड़ी के टिकट पर दी गई सूचनाओं को पढ़कर आवश्यक सूचनाएँ नोट करने को कहें जैसे गाड़ी का नाम, गाड़ी की संख्या, कोच संख्या, कुल दूरी, कुल किराया, सीट नंबर इत्यादि चर्चा करें कि ये सूचनाएँ टिकट पर क्यों दी गई है?
- बार -बार जोड़ तथा गुणन तथ्यों का उपयोग करके यात्रियों की संख्या के अनुसार कुल किराये का पता लगाना तथा नोट करना।

आकलन के बिंदु

- कैलेंडर पर दिन और महीने के अनुसार तिथि पहचानना एवं निशान लगाने की समझ।
- किसी कार्य में लगने वाले दिनों की संख्या पता करने की समझ।
- रेलवे समय सारिणी तथा टिकट पर आवश्यक सूचनाएँ पहचानने की समझ।
- टिकट दूर एवं यात्रियों की संख्या के हिसाब से किराये के लेन-देन की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 38 09-12-2020 16:52:24

पाठ 11

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- तिकोन, चौकोर तथा गोल आकृतियों को पहचानते हैं।
- तिकोन, चौकोर तथा गोल आकृतियों की सहायता से डिजाइन बनाते हैं।
- किसी डिजाइन में बार-बार आने वाली आकृति को पहचानते हैं।
- दिए गए पैटर्न को बढ़ा सकते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- साड़ी/ दरी/ कपड़े इत्यादि पर बना कोई डिजाइन
- तिकोन, चौकोर तथा गोल आकृतियों के कट-आउट्स

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- आस-पास,दरी/साड़ी/कपड़ों इत्यादि में बने डिजाइनों में उपयोग की गई आकृतियों को पहचान कर कॉपी पर नोट करवाएँ। चर्चा करें कि उन्होंने ऐसी आकृति अपने आस-पास में कहाँ देखी हैं ?
- गोल, चौकोर एवं तिकोन आकृतियों को पहचान कर उनमें अंतर पर चर्चा करें।
- गोल, चौकोर एवं तिकोन की सहायता से बने डिजाइनों को समझकर आगे बढ़ाकर दिखाएँ तथा इन आकृतियों की सहायता से अपने कुछ डिजाइन कॉपी पर बनाएँ तथा डिजाइन बनाने के तरीकों पर चर्चा करें।
- दरी/ साड़ी पर बने डिजाइन दिखाकर चर्चा करें कि कौन-सी आकृति सबसे ज्यादा बार आ रही हैं और क्यों ? मेले में लगी झंडियों के बनाने के तरीकों पर चर्चा करें। कॉपी पर कुछ अलग-अलग झंडियाँ बनाने को कहें।
- संख्या पैटर्न को पहचानकर आगे बढ़ाकर लिखने को कहें।

आकलन के बिंदु

- गोल, चौकोर एवं तिकोन आकृतियाँ पहचानने तथा बनाने की समझ।
- गोल, चौकोर एवं तिकोन आकृतियों में गुणों के आधार पर अंतर करने की समझ।
- पैटर्न को पहचानने तथा बढ़ाने की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 39 09-12-2020 16:52:24

पाठ 12

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- बैंक की पासबुक, चैकबुक, तथा ए.टी.एम. कार्ड को पहचानते हैं।
- अपना खाता नंबर पढ़ते एवं लिखते हैं।
- जमा पर्ची, पैसा निकालने की पर्ची, चैक पर आवश्यक जानकारी लिखते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- भरी हुई तथा खाली जमा पर्ची, पैसा निकालने वाली पर्ची तथा चैक
- पासबुक, चैकबुक, ए.टी.एम., आधार कार्ड, वोटर पहचान पत्र, पैन कार्ड असली या फोटो कापी

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- बैंक में पैसा रखने तथा खाता खोलने की जरूरत पर चर्चा की जाए।
- बैंक में खाता खोलने के लिए जरूरी कागज़ात की सूची लिखकर बताने को कहें।
- पास बुक को पढ़ना और समझना।
- पैसे जमा करने तथा पैसा निकालने की पर्जी पर भरी जाने वाली आवश्यक सूचनाएँ नोट करने को कहें तथा इस पर चर्चा करें कि ये सूचनाएँ क्यों भरी जानी जरूरी है? पैसे जमा करने तथा पैसा निकालने की पर्जी भरने को कहें।
- चैक बुक एवं एटीएम की जरूरत क्यों हैं पर चर्चा करें। लिखकर बताएँ कि चैकबुक पर कौन-कौन सी सूचनाएँ दर्ज करनी आवश्यक है ? इस पर भी चर्चा करें कि ये सूचनाएँ दर्ज क्यों की जाती हैं ? खाली चैक भरने को कहें।

आकलन के बिंदु

- बैंक में खाता खोलने के लिए आवश्यक कागज़ातों की समझ।
- पासबुक में दर्ज जानकारी की समझ।
- चैक, जमा पर्ची एवं निकासी पर्ची पर आवश्यक सूचनाएँ दर्ज करने की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 40 09-12-2020 16:52:24

पाठ 13

सीखने के प्रतिफल

शिक्षार्थी–

- डिजिटल अंकों को पहचानते हैं।
- आकृतियों/संख्याओं का उपयोग करते हुए किसी चित्र के संबंध में सामान्य जानकारी का अर्थ बताते हैं।
- चित्र रूप में प्रदर्शित जानकारी से निष्कर्ष निकालते हैं।
- अखबारों/ टी.वी./ पत्रिकाओं में दिये गये चित्रों की व्याख्या कर सकते हैं।
- मोबाइल रिचार्ज से संबंधित प्लान को धनराशि एवं वैधता के संदर्भ में समझते हैं तथा बेहतर प्लान चुनते हैं।

सिखाने के पूर्व तैयारी

- डिजिटल अंकों लिखे हुए कार्ड (0 से 9 तक)
- अखबारों/ पत्रिकाओं में से सामान्य जानकारी से संबंधित कुछ चित्रों की कटिंग।
- मोबाइल की कुछ कटिंग।
- खेल मुद्रा (लेन-देन हेतु)

सिखाने के दौरान गतिविधि व चर्चा

- डिजिटल अंकों में लिखी संख्याओं को पढ़वाएं तथा कुछ संख्याएं बोलकर उन्हें डिजिटल अंकों में लिखवाएं।
- कैल्कुलेटर पर कोई संख्या टाइप करें तथा शिक्षार्थी को उसे पढ़ने के लिए कहें।
- सामान्य जानकारी पर आधारित कुछ चित्र दिखाकर उस पर चर्चा करें जैसे - यह चित्र क्या दर्शाता है? चित्रों पर आधारित प्रश्न पूछे जिससे शिक्षार्थी कुछ निष्कर्ष निकाल सके जैसे बाग में सबसे ज्यादा भाग में कौन से पेड़ लगे हैं? सबसे ज्यादा रन किस ओवर में बने हैं।
- खेल वाले नोटों/ सिक्कों का उपयोग करके रिचार्ज की धनराशि चुकाने तथा बडा नोट (अगर उपयोग किया है तो) में से वापिस मिलने वाली राशि पर चर्चा करें जैसे ₹ 259 का रिचार्ज कराएं तो ₹ 500 के नोट में से कितने वापिस मिलेंगे?
- दिन (वैधता) एवं मॅल्यों के संदर्भ देकर चर्चा करें कि कौन-सा प्लान चुनना आपके लिए बेहतर है?
- कैलेंडर की सहायता से या बिना कैलेंडर के यह बताने पर चर्चा करना कि अगला रिचार्ज कराना है?

आकलन के बिंदु

- डिजिटल अंकों की पहचान की समझ
- चित्रों द्वारा सामान्य जानकारी पर आधारित निष्कर्ष निकालने की समझ।
- फायदेमंद रिचार्ज प्लान चुनने की समझ।
- मोबाइल रिचार्ज संबंधी लेन-देन की समझ।
- वैधता की समझ।

Guidlines Udaan Shiksha Combined.indb 41 09-12-2020 16:52:24

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING